नवांकुर विद्यापीठ, गंजबासौदा

अंक : 64

क्रमशः

वार्षिक अंक, अप्रैल 2017

प्रति,

श्रीमान् ____________________

____

____

महामहिम राष्ट्रपति द्वारा नवांकुर/डॉल्फिन के स्काउट सम्मानित किए गये

(विस्तृत खबर अन्दर के पृष्ठ पर)

अन्दर के पृष्ठों पर

सम्पादकीय 2

उपलब्धियाँ 3

परीक्षा-परिणाम 12

डॉल्फिन गतिविधि 19

रासेयो गतिविधियाँ 24

सार-समाचार 28

डॉल्फिन 28

कैरियर 30

रोचक जानकारी 30

व्यंग्य 33

बच्चों की कलम 34

वार्षिक परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ एवं शुभाशीष!!!

उपलब्धियाँ

महामहिम राष्ट्रपति द्वारा नवांकुर/ डॉल्फिन के स्काउट सम्मानित किए गये

मार्च माह में हरियाणा के गतपुरी में राष्ट्रपति स्काउट जाँच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें नवांकुर/डॉल्फिन के 08स्काउट गाइड ने सम्मिलित होकर शानदार सफलता प्राप्त की। इन छात्रों के नाम इस प्रकार हैं – नवांकुर के छात्र शिवासिंह राजपूत पुत्र श्री पहलवान सिंह, रामकिशन राठौर पुत्र श्री दीवानसिंह, संदीप दांगी पुत्र श्री बलराम सिंह, डॉल्फिन के छात्र–अक्षत शर्मा पुत्र श्री रमेश शर्मा, नितिन रिछारिया पुत्र श्री अनिल रिछारिया, सोमिल जैन पुत्र श्री मनोज कुमार जैन, अक्षय तिवारी पुत्र श्री मनोज तिवारी, अमन साहू पुत्र श्री राजू साहू। उपरोक्त छात्रों ने राष्ट्रपति पुरस्कार की योग्यता हासिल की थी जिनको राष्ट्रपति भवन में 5 दिसम्बर 2016 को एक भव्य आयोजन में प्रमाण–पत्र प्रदान किये गये। पुरस्कार वितरण समारोह में विद्यालय के स्काउट शिवासिंह राजपूत, स्काउट मास्टर श्री विशाल सिंह भदौरिया लीडर ट्रेनर एवं स्काउट मास्टर श्री आशीष मिश्रा के साथ सम्मिलित हुये।

जुलाई 2016 में गांधी नगर भोपाल में आयोजित राज्यपाल जाँच पुरस्कार में नवांकुर व डॉल्फिन के छात्रों ने सम्मिलित होकर सफलता प्राप्त की। आगामी शिविर में इन छात्रों को महामहिम राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया जायेगा। इन छात्रों के नाम इस प्रकार हैं – नवांकुर के स्काउट तरूण रघुवंशी पुत्र श्री धीरज सिंह, रोहन कुशवाह पुत्र श्री लाखनसिंह, विकास कुशवाह पुत्र श्री दुर्गाप्रसाद, आदित्य दांगी पुत्री जसवंतसिंह, अमित बघेल पुत्र श्री यशवंत बघेल एवं डॉल्फिन के स्काउट ऐश्वर्य डोंगरे पुत्र श्री अविनाश डोंगरे, गगन लोधी पुत्र श्री ब्रजबिहारी लोधी, पीयूष बघेल पुत्र श्री बैजनाथ, आयुष यादव पुत्र श्री देवेन्द्र यादव। स्काउट की इस उपलब्धि में श्री विशाल सिंह भदौरिया लीडर ट्रेनर एवं स्काउट मास्टर श्री आशीष मिश्रा और श्री रामबाबू पांचाल का सराहनीय योगदान रहा। विद्यालय परिवार ने स्काउट एवं उनके अभिभावकों को शुभकामनाएं प्रदान की है।

माननीय न्यायाधीशगणों ने नवांकुर के छात्रों को सम्मानित किया

स्व. पं. माधव प्रसाद जी की स्मृति में दिनांक 28 जनवरी 2017 को न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट के समक्ष स्वच्छता अभियान पर आधारित लघु नाटिका, स्वागत गान व सरस्वती वंदना के शानदार प्रस्तुतिकरण के लिये, अभिभाषक संघ के द्वारा से नवांकुर के छात्रों को पुरस्कृत किया गया। विधिक मार्गदर्शन कार्यशाला व पुरस्कार वितरण के इस कार्यक्रम में न्यायाधीश श्रीमती स्मिता ठाकुर (व्यवहार न्यायाधीश वर्ग–1) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

अभिभाषक संघ के अध्यक्ष श्री हरिप्रसाद जी शर्मा कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे, जबकि श्रीमती निधि सक्सेना (व्यवहार न्यायाधीश वर्ग–2), श्री चन्द्रसेन मुबेल (व्यवहार न्यायाधीश वर्ग–2), श्री मुकेश रघुवंशी, श्री नरेन्द्र बघेल, धर्मेन्द्र सोलंकी व भारती मेडम (कार्यालय प्रमुख) उपस्थित रहीं।

उपलब्धियाँ

इस अवसर पर नवांकुर संगीत विद्यालय की छात्राओं ने राग देशकार का प्रस्तुतिकरण किया साथ ही छात्राओं ने कानून व्यवस्था पर आधारित सुन्दर गीत का गायन भी किया। विद्यालय के प्राचार्य श्री शैलेन्द्र दीक्षित ने नवांकुर की विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। डॉल्फिन प्राचार्य श्री रमेश शर्मा ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन आचार्य संदीप रावत ने किया। एडवोकेट श्री मुकेश रघुवशी के दिशा निर्देशन में सभी छात्रों को ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। सभी शिक्षक साथियों व प्राचार्य महोदय को भी सम्मानित किया गया। विद्यालय परिवार की ओर से अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किये गये। मुख्य अतिथि श्रीमती स्मिता ठाकुर ने सभी छात्रों को उनके नैतिक दायित्वों व कर्तव्यों से परिचित कराया जबकि कार्यक्रम अध्यक्ष श्री हरिप्रसाद शर्मा ने नवांकुर की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला और नवांकुर के कार्यों की प्रशंसा की।

राज्य स्तरीय बालरंग प्रतियोगिता में नवांकुर व डॉल्फिन के छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

दिनांक 19.12.16को भोपाल के इंदिरागाँधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय श्यामला हिल्स भोपाल में राज्यस्तरीय बालरंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस प्रतियोगिता में नवांकुर व डॉल्फिन के विद्यार्थियों ने सहभागिता की और अपनी-अपनी विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

नवांकुर की छात्रा कु. अंजली रजक कक्षा-10 ने निबंध लेखन में प्रथम स्थान, कु. कशिश अहिरवार कक्षा-7 ने योग में द्वितीय स्थान तथा रबीना दाँगी कक्षा-8ने संस्कृत भाषण में सहभागिता करके स्थान प्राप्त किया।

डॉल्फिन स्कूल की कु. भाव्या दुबे कक्षा-8ने कैलियोग्राफी में प्रथम, निशांत चतुर्वेदी कक्षा-6ने वेद पाठ में प्रथम, कु. वैष्णवी शर्मा कक्षा-8 ने स्वरचित काव्यपाठ में द्वितीय तथा कु. सिमी राय कक्षा-9 ने वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लेकर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

उपरोक्त छात्र-छात्राओं की सफलता में नवांकुर के अध्यापक श्री वासुदेव शर्मा एवं डॉल्फिन की शिक्षिका सुश्री नीतू लोधी ने महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया।

सहभागिता करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को लोकशिक्षण संचालनालय स्कूल शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन द्वारा प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नवांकुर व डॉल्फिन विद्यालय परिवार ने सभी सफल छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों को बधाई देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

विज्ञान मंथन यात्रा में नवांकुर व डॉल्फिन के छात्रों ने छात्रवृत्ति की पात्रता हासिल की

नवांकुर व डॉल्फिन स्कूल के 03 छात्र-छात्राओं हर्ष जैन पुत्र श्री मनोज जैन कक्षा-8, कु. शिल्पी रघुवंशी पुत्री श्री युजवेन्द्रसिंह कक्षा-10 (डॉल्फिन) तथा निखिल रघुवंशी पुत्र श्री महेन्द्रसिंह रघुवंशी कक्षा-12 (नवांकुर) का चयन विज्ञान मंथन यात्रा छात्रवृत्ति के लिये किया गया है।

उल्लेखनीय है कि म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा कक्षा-8से 12 तक के मेधावी छात्र-छात्राओं को विज्ञान के क्षेत्र में प्रेरित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष विज्ञान मंथन यात्रा का आयोजन किया जाता है। इस यात्रा के उपरान्त परिषद द्वारा उत्कृष्टता परीक्षा (मिशन एक्सीलेंस) का आयोजन किया जाता है तथा इस परीक्षा में सफल प्रथम 100 छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

गौरतलब है कि पूरे म.प्र. से कक्षा 8से 12 तक 625 छात्र-छात्राओं का चयन इन्दौर, उज्जैन, पीथमपुर, लखनऊ, अहमदाबाद, पुणे और चण्ड़ीगढ़ आदि शहरों के विभिन्न विज्ञान केन्द्रों व विज्ञान संस्थानों का भ्रमण करने के लिये किय गया था। इस वर्ष नवांकुर व डॉल्फिन के 23 छात्र-छात्राओं को भ्रमण पर जाने का सुअवसर प्राप्त हुआ था। इन 625 छात्र-छात्राओं में से 100 उत्कृष्ट छात्र-छात्राओं का चयन एक विशेष परीक्षा के द्वारा छात्रवृत्ति के लिये किया गया है। जिसमें नवांकुर व डॉल्फिन के 03 छात्र-छात्राएँ सम्मिलित हैं। सभी सफल छात्रों को बधाई !

उपलब्धियाँ

डॉ. विजय शिरढोणकर की स्मृति में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित

नवांकुर विद्यापीठ में पूर्व अध्यक्ष स्व. डॉ. शिरढोणकर की स्मृति में भव्य श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें अतिथियों द्वारा क्रमशः पत्रिका श्रद्धांजलि का विमोचन तथा मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में सरस्वती वंदना का गायन किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर के लोकप्रिय विधायक श्री निशंक कुमार जैन का स्वागत प्राचार्य श्री शैलेन्द्र दीक्षित द्वारा किया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में डॉ. नम्रता शिरढोणकर विराजमान थीं। अन्य अतिथियों में डॉ. आर.के.

चोगांवकर, श्रीमती पदमा चोगांवकर, श्री बद्री प्रसाद भारतीय, ऋषभ कुमार जैन, मुन्नालाल अग्रवाल, रामकिशन शर्मा, स्काउट की जिला संगठक आयुक्त अनीता सोनेवाने, लीडर ट्रेनर श्री विशालसिंह भदौरिया, श्री जय नारायण मेहता, श्री जीवनराव खटावकर आदि उपस्थित थे।

इस अवसर पर प्राचार्य शैलेन्द्र दीक्षित ने डॉ. साहब के जीवनवृत्त पर प्रकाश डालते हुये नवांकुर की विकास यात्रा में उनके योगदान की भूरि-भूरि सराहना की। तत्पश्चात् अतिथियों द्वारा डॉ. साहब की स्मृतियाँ संजोये क्रमशः पत्रिका के विशेषांक 'श्रद्धांजलि' का विमोचन किया गया। साथ में श्रीमती पदमा चोगांवकर द्वारा रचित 'सप्तरंगी कहानियाँ' पत्रिका का विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया।

स्काउट में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित प्रतिभागियों रामकृष्ण राठौर, संदीप दांगी, शिवासिंह राजपूत, सोमिल जैन, अक्षय तिवारी, अक्षत शर्मा, नितिन रिछारिया और अमन साहू तथा राज्यपाल स्काउट पुरस्कार से सम्मानित 14 प्रतिभागी मेधावी छात्र-छात्राओं राज्य स्तर पर योग तथा खो-खो में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों, राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के चयनित प्रतिभागियों तथा बालरंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रतीक चिन्ह और प्रमाण-पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

सभी अतिथियों ने इस अवसर पर डॉ. साहब के जीवन की स्मृतियों पर प्रकाश डाला और छात्र-छात्राओं को आशीर्वाद प्रदान किया। अंत में 'हम होंगे कामयाब' गीत का गायन सामूहिक रूप से किया गया।

सम्पादकीय

प्रिय विद्यार्थियो,

क्रमश: का एक और नवीन अंक आपके वार्षिक परीक्षा परिणाम के साथ आपके हाथों में है। सभी सफल विद्यार्थियों को सफलता की हार्दिक शुभकामनाएँ।

यूँ ही नहीं मिलती मंजिल राही को,
एक जुनून सा दिल में जगाना पड़ता है,
ऐसे ही नहीं बन जाते आशियाने परिंदों के,
भरनी पड़ती है उड़ान बार-बार, तिनका-तिनका उठाना पड़ता है।

मनुष्य की इच्छा हो या नहीं लेकिन जीवन में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक है, यह जीवन परिवर्तनशील परिस्थितियों से बंधा हुआ है और कठिनाइयाँ इस जीवन की एक सहज स्वाभाविक स्थिति है, जिन्हें स्वीकार करके मनुष्य अपने लिये उपयोगी बना सकता है। जिन कठिनाईयों में निर्बल मन वाला व्यक्ति खुद को अकेला महसूस करके टूट-सा जाता है उन्हीं कठिनाई के पल में कई व्यक्ति नवीन प्रेरणा, नव उत्साह पाकर सफलता प्राप्त करते हैं। सबल मन वाला व्यक्ति बड़ी से बड़ी कठिनाई को भी स्वीकार करके आगे बढ़ता है।

यदि आप कोहरे के रास्ते पर चलें तो आपकी नजर सामने तक नहीं पहुँच पायेगी पर जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते जायेंगे, कोहरा आपकी नजरों से हटता जायेगा और बिना रूके आप कोहरे से बाहर निकल आयेंगे, लेकिन क्या कोहरा हमेशा छाया रहता है? जवाब है नहीं। मुसीबत भी उस कोहरे के समान ही है, जैसे आगे बढ़ते रहने से कोहरा हटता जाता है, मुसीबत का समय रूपी जाल भी आगे बढ़कर प्रयत्न करने से टूट जाता है।

जब आप रात को साईकिल से कहीं घूमने निकलते हैं, तब आपकी साईकिल कितने भी बड़े ऊँचे चाव को पार कर जाती है, लेकिन यही साईकिल यदि आप सुबह उसी रास्ते पर चलायें तो आप थोड़ा झिझकते हैं कि रास्ते का चढ़ाव कितना बड़ा है और शायद ही उसे पार किया जाये। दोनों में इतना बड़ा अंतर इसलिये आता है क्योंकि रात को हमारी नजरें ऊँचे चढ़ाव को नहीं सिर्फ अपनी मंजिल, अपने रास्ते को देखतीं हैं, पर उजाले में यहीं नजरें रास्ते के चढ़ाव को देखती हैं। बात साफ है यदि हम सिर्फ अपनी मंजिल और अपने लक्ष्य को ध्यान में रखकर आगे बढ़ते रहें तो हमें मुसीबतों का अहसास ही नहीं होगा, पर यदि हम रास्ते में आने वाली हर एक रूकावट को देखते रहे तो कदम आगे बढ़ाना हमारे लिये कठिन होगा। आपका ध्यान सिर्फ अपनी मंजिल पर होना चाहिए न कि रुकावटों पर। जिस तरह आग की तेज भट्टी पर तपने से सोने का सुनहरा रंग निखरता है, वैसे ही ऊँचे लक्ष्य रखने वाले सच्चे व्यक्ति का जीवन मुसीबत और कठिनाईयों की आग से परिपक्व बनता है। जब इतने सारे गुण मुसीबतों और कठिनाईयों में मौजूद है तो इनसे डरना कैसा? जो लोग मुसीबत से डरने की बजाय उनसे जूझने की क्षमता रखते हैं, वही अपने जीवन में सफलता हासिल करते हैं।

करे कोशिश अगर इंसान तो क्या-क्या नहीं मिलता?
वो सिर उठा के तो देखते जिसे रास्ता नहीं मिलता।
भले ही धूप हो, काँटे हों राहों में मगर चलना तो पड़ता है,
क्योंकि किसी प्यासे को घर बैठे कभी दरिया नहीं मिलता।

कु. प्रीति चतुर्वेदी
सम्पादक

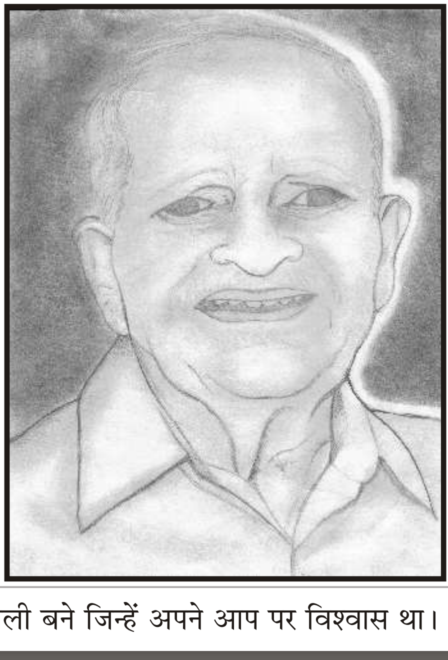

प्रत्येक राष्ट्र के निर्माण में तुम देखना वे ही व्यक्ति महान् और शक्तिशाली बने जिन्हें अपने आप पर विश्वास था।

उपलब्धियाँ

भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नवांकुर व डॉल्फिन के मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया

दिनांक 16.12.2016को नवांकुर व डॉल्फिन के मेधावी छात्र–छात्राओं को भारतीय जीवन बीमा निगम के अधिकारियों द्वारा पुष्प मालाओं व पुष्प गुच्छों से अभिनंदन कर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर निगम के शाखा प्रबन्धक श्री नवीन शर्मा, विकास अधिकारी श्री आर.के. त्रिपाठी तथा सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री विकास बनोडीकर विद्यालय में उपस्थित थे।

नवांकुर के कक्षा–1 से 12 तथा डॉल्फिन के कक्षा–1 से 10 तक सत्र 2015–16 में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को ट्रॉफी और प्रमाण–पत्र देकर पुरस्कृत किया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के शिक्षक/शिक्षिकाएँ भी उपस्थित थे। विद्यालय के अन्य सभी उपस्थित छात्र–छात्राओं को उपहार स्वरूप डॉट पेन वितरित किये गये। नवांकुर के पुरस्कृत छात्र/छात्राओं के नाम इस प्रकार हैं–शिवम दांगी कक्षा–1, कु. समीक्षा कुशवाह कक्षा–2, कृष राठौर कक्षा–3, कु. सुहानी रघुवंशी कक्षा–4, कु. रितिका कुर्मी कक्षा–5, कु. विपाशा दांगी कक्षा–6, कु. प्रियंका रघुवंशी कक्षा–7, कु. मुस्कान ठाकुर और मनु साहू कक्षा–8, कु. तनु ठाकुर कक्षा–9, कु. सोनम रघुवंशी, कक्षा–10, कु. मनीषा शर्मा, कक्षा–11, कु. शालिनी रघवुंशी

डॉल्फिन के छात्र–छात्राओं के नाम इस प्रकार हैं – कु. अनुष्का शर्मा कक्षा–1, कु. विपाशा ठाकुर कक्षा–2, कु. सोनम मीना कक्षा–3, कु. निहारिका तिवारी कक्षा–4, कु. कनिष्का रिछारिया कक्षा–5, कु. खुशी रघवुंशी कक्षा–6, हर्ष जैन कक्षा–7, कु. कनुप्रिया मेहता कक्षा–8, कु. शिल्पी रघुवंशी कक्षा–9, कु. साक्षी राय कक्षा–10।

इस अवसर पर अतिथियों ने अपने उद्‌बोधन में सभी छात्र/छात्राओं से आगामी वर्षों में कड़ी मेहनत करके ट्राफी एवं प्रमाण–पत्र प्राप्त करने का आह्वान किया। विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री रमेश शर्मा एवं पहलवान सिंह राजपूत ने अतिथियों का स्वागत किया। संदीप रावत ने कार्यक्रम का संचालन किया। विद्यालय के प्राचार्य श्री शैलेन्द्र कुमार दीक्षित ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

उपलब्धियाँ

ग्राम स्यावदा में समाजसेवी कांतीभाई द्वारा ग्रामीण छात्रों को पुरस्कृत किया गया

राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रेरणा पुरूष स्वामी विवेकानन्द जी की 154 वीं जयंती (युवा दिवस) पर नवांकुर विद्यापीठ की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गोद ग्राम स्यावदा में पुरस्कार वितरण का आयोजन किया गया। जिसमें विशेष शिविर के दौरान भाग लेने वाले प्रतिभागी ग्रामीण बालिकाओं एवं ग्राम के प्राथमिक विद्यालय के छात्र/छात्राओं को प्रसिद्ध समाजसेवी कांतिभाई शाह द्वारा विभिन्न कला प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर कढ़ाई, बुनाई, सिलाई, रंगोली, मेंहदी आदि में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली ग्राम की 24 बालिकाओं को उनके उपयोग में आने वाली सामग्री वितरित कर पुरस्कृत किया गया। इसी प्रकार ग्राम के 60 छात्र/छात्राओं को ड्राइंग बॉक्स और कॉपी प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। जिसमें श्री सतीश जैन (कक्का जी) का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में नागरिक सेवा समिति के सदस्य श्री सुरेश तनवानी ने संबोधित करते हुये स्वामी विवेकानन्द जी के जीवनवृत्त पर प्रकाश डाला। विद्यालय के अध्यापक संदीप रावत ने कार्यक्रम का संचालन किया जबकि कार्यक्रम अधिकारी शम्भूसिंह रघुवंशी जी ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। अन्य अतिथियों में श्री नाटूभाई के अलावा विद्यालय के प्राचार्य श्री शैलेन्द्र दीक्षित, रासेयो बालिका प्रभारी सुश्री वंदना भार्गव तथा रेणु श्रीवास्तव भी उपस्थित थीं।

नवांकुर में बैडेन पॉवेल का जन्मदिवस विचार दिवस के रूप में मनाया गया

दिनांक 22-02-2017 को नवांकुर व डॉल्फिन स्कूल के संयुक्त तत्त्वावधान में स्काउट गाइड के संस्थापक बैडेन पावेल का जन्मदिन विचार दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पधारीं श्रीमती ऊषा यादव (एएसओसी), विशेष अतिथि विदिशा से पधारीं श्रीमती अनीता सोनेवाने (डीओसी), श्री विशाल सिंह भदौरिया (एलटी), डॉल्फिन प्राचार्य श्री रमेश शर्मा, नवांकुर माध्यमिक विभाग की प्रधानाचार्या सुश्री अरूणा शर्मा जी, स्काउट मास्टर श्री रामबाबू पांचाल और शुभम शर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नवांकुर के प्राचार्य श्री शैलेन्द्र कुमार दीक्षित ने की।

इस अवसर पर चित्रकला और निबन्ध प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। जिसमें विजेता प्रतिभागी स्काउटस नैवेद्य शर्मा, अनन्य दीक्षित, अविरल अवस्थी, रमाकांत बैरागी और राजवीर दांगी को चित्रकला प्रतियोगिता तथा स्काउट ध्रुव राय, मनीष सौजन्य, रमन चौरसिया, आयुष राय और नीतेश साहू को निबन्ध प्रतियोगिता में सहभागिता के लिये प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये। उपस्थित अतिथियों ने कार्यक्रम को संबोधित किया। स्काउट सक्षम रघुवंशी और ध्रुव राय ने भी कार्यक्रम में अपना उद्‌बोधन दिया। कार्यक्रम में सर्वधर्म प्रार्थना का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन स्काउट मास्टर श्री आशीष मिश्रा ने किया। प्राचार्य श्री शैलेन्द्र दीक्षित ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

उपलब्धियाँ

नवांकुर संगीत विद्यालय में सुरताल संध्या का भव्य आयोजन किया गया

नवांकुर संगीत विद्यालय में पूर्व अध्यक्ष स्व. डॉ. विजय शिरढोणकर की स्मृति में सुर-ताल संध्या का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें नवांकुर संगीत विद्यालय के प्रतिभावान छात्र/छात्राओं ने शास्त्रीय सुर-ताल के मनभावन सुर बिखेरे, जिन्हें सुनकर उपस्थित श्रोतागण मंत्रमुग्ध होकर झूमने लगे।

इस अवसर पर प्रथम वर्ष के छात्र/छात्राओं ने राग-यमन, द्वितीय वर्ष के छात्र/छात्राओं ने राग-वृंदावनी सारंग, तृतीय वर्ष के छात्र/छात्राओं ने राग-केदार, चतुर्थ वर्ष के छात्र/छात्राअनें ने राग-देशकार, पंचम वर्ष के छात्र/छात्राओं ने राग-दरबारी में बड़ा ख्याल, छोटा ख्याल, तराना प्रभाकर के छात्र/छात्राओं ने राग-रागेश्वरी का मनमोहक गायन किया।

इस अवसर पर अध्यक्ष के रूप में अक्षर ज्ञान पयोधि (महाकाव्य) के कवि पं. बालमुकुन्द दीक्षित ने अपने उद्बोधन में छात्र/छात्राओं को आशीष देते हुये नवांकुर की उत्तरोतर उन्नति की कामना की। मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी डॉ. आर.सी. शर्मा तथा विशेष अतिथि के रूप में शास्त्रीय संगीत की विशेषज्ञ श्रीमती वंदना कामले तथा स्पन्दन अकादमी के संस्थापक श्री निर्मल जी शर्मा ने भी अपने संबोधन में छात्र/छात्राओं की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

कार्यक्रम के प्रारंभ में रामकिशन राठौर, मुकेश शर्मा, आकांक्षा औरंगाबादकर ने अतिथियों का स्वागत फूल मालाओं से किया। स्वागत भाषण मुकेश शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। नवांकुर के प्राचार्य शैलेन्द्र कुमार दीक्षित ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। तत्पश्चात् प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें विभिन्न सत्रों में संगीत विधा में राज्य व संभाग स्तर पर सहभागिता करने वाले संगीत विद्यालय के उत्कृष्ट छात्र/छात्राओं मयंक भार्गव, संजय शर्मा, अभिनव जैन, कु. साक्षी रघुवंशी, जीतेश शर्मा, कु. भावना विश्वकर्मा, अनन्य दीक्षित, साहिल राजपूत, उत्कर्ष दिवाकर, कु. दीपा रघुवंशी, नितिन रिछारिया, कु. अंजली आचार्य, चेतनसिंह राजपूत, कु. दिशा शर्मा और कामेश गौड़ को प्रतीक चिन्ह और प्रमाण-पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम में लीलाधर शर्मा गुरूजी ने भैरवी-राग में गायन तथा अरूण श्रीवास द्वारा बाँसुरी पर राग-पहाड़ी धुन का प्रदर्शन किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम में कार्यक्रम स्थल पर तालियों की गड़गड़ाहट सुनाई देती रही। कार्यक्रम में नवांकुर परिवार के सभी सदस्य उपस्थित थे। विद्यालय के अध्यापक संदीप रावत और वंदना भार्गव ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा शिक्षिका रेणु श्रीवास्तव ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

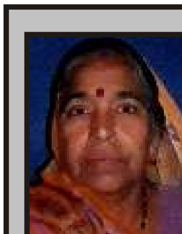

विद्यालय के व्यायाम शिक्षक श्री विजय शर्मा की पूज्यनीय माताजी का विगत कुछ माह पूर्व निधन हो गया। विद्यालय परिवार की ओर से श्रद्धांजलि।

डाल्फिन की हाई स्कूल शिक्षिका कु. नीतू लोधी के पिता जी श्री रामप्रसाद लोधी जी का देहावसान दिनांक 25. 01.2017 को हो गया। नवांकुर व डाल्फिन विद्यालय परिवार की ओर से श्रद्धांजलि।

उपलब्धियाँ

नवांकुर के प्रेरणा पुरुष स्व. डॉ. विजय शिरढोणकर जी का नागरिक सेवा समिति द्वारा शिक्षा-रत्न से सम्मान

नगर की प्रमुख समाजसेवी संस्था नागरिक सेवा समिति द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में नगर में अभूतपूर्व योगदान के लिए विद्यालय के प्रेरणा–पुरुष स्व. डॉ. विजय शिरढोणकर को शिक्षा–रत्न सम्मान प्रदान किया।स्व. डॉ. साहब की ओर से यह सम्मान उनकी धर्मपत्नी डॉ. नम्रता शिरढोणकर ने प्राप्त किया। साथ श्रीमती शिरढोणकर ने नागरिक सेवा समिति को रु. 21,000/– की दानराशि अपनी ओर से प्रदान की।

नेत्र शिविर नागरिक समिति द्वारा आयोजित नेत्र शिविर के माध्यम से विगत 40 वर्ष से अपनी सेवायें देते आ रहे डॉ. एम.सी. नाहटा जी को नवांकुर विद्यालय परिवार द्वारा सम्मानित किया गया एवं उनके दीर्घायु जीवन की कामना की।

नवांकुर में ग्रीष्मकालीन खेल व व्यायाम प्रशिक्षण कार्यशाला प्रारंभ

बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए एवं वर्तमान में शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में बच्चों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से दिनांक 1 अप्रैल 2017 से नवांकुर के खेल परिसर में विभिन्न खेलों एथलेटिक्स, योग, वॉलीबॉल, शतरंज, बैडमिण्टन आदि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। स्कूली छात्रों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लगभग 80 युवक-युवती प्रशिक्षण शिविर में व्यायाम प्रशिक्षक विजय कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रहे हैं। प्रशिक्षण समय प्रतिदिन प्रात: 6 से 8 बजे तक रहता है। नगर के इच्छुक प्रतिभागी इस प्रशिक्षण का लाभ ले सकते हैं।

नवांकुर में कैरियर मार्गदर्शन का आयोजन किया गया

दिनांक 10-4-2017 को नवांकुर के विस्तार भवन में उच्चतर माध्यमिक विभाग के छात्र/छात्राओं के लिए कैरियर मार्गदर्शन का आयोजन किया गया। जिसमें नवांकुर उ.मा.वि. के छात्र-छात्रायें व विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित थे। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक श्री केशव लाहौरी व पहलवानसिंह राजपूत द्वारा दीप प्रज्ज्वलन व सरस्वती पूजन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

इस अवसर पर शिक्षक संजीव साहू ने छात्रों को सिविल सर्विसेज व मैनेजमेंट, यतेन्द्र बड़ोनिया ने मेडीकल क्षेत्र, लख्मीचंद साहू ने साईंस क्षेत्र, सुमित रघुवंशी ने इन्जीनियरिंग क्षेत्र, मनीष चतुर्वेदी ने कानून के क्षेत्र संबंधी तथा अनिल कुशवाह व भागीरथ शर्मा ने शिक्षा संबंधी क्षेत्रों की जानकारियाँ दीं, अन्य क्षेत्रों में भी छात्रों को कैरियर संबंधी जानकारी शिक्षकों द्वारा दी गई। मनीष चतुर्वेदी ने कार्यक्रम का संचालन किया। छात्र-छात्राओं द्वारा पूछे गये विभिन्न प्रश्नों के उत्तर प्राचार्य श्री शैलेन्द्र दीक्षित तथा सम्बन्धित शिक्षकों द्वारा दिये गये। अन्त में प्राचार्य महोदय द्वारा सभी छात्र-छात्राओं को अपने कैरियर के प्रति प्रोत्साहित किया गया।

उपलब्धियाँ

नवांकुर में चेतना सेवा समिति द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

चेतना सेवा समिति द्वारा तीसरे स्थापना दिवस पर स्व. श्री गुणमाला जैन एवं स्व. श्री राकेश वैशाखिया की स्मृति में नवांकुर विस्तार भवन में आयोजित निःशुल्क हृदय, अस्थि रोग एवं सामान्य स्वास्थ्य शिविर में 280 मरीजों की जाँच की गई। इसमें भोपाल के डॉ. आशीष भारद्वाज, डॉ. प्रशान्त श्रीवास्तव एवं शिवसागर माण्डे द्वारा जाँच की गई। शिविर में मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान योजना के तहत 15 प्रकरण तैयार किये गये। इस अवसर पर कार्यक्रम में समाजसेवी श्री कांतीभाई शाह, जनपद अध्यक्ष श्रीमती अंजलि यादव, विहिप क्षेत्रीयमंत्री श्री राजेश तिवारी, जिला पुलिस अधीक्षक श्री धर्मेन्द्र चौधरी एवं जिलाधीश श्री अनिल सुचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री शैलेन्द्र दीक्षित को भी समाज सेवा के निमित्त सम्मानित किया गया।

झलकियाँ

गंजबासौदा नगर में स्व. श्री माधवप्रसाद तिवारी व्याख्यान माला के अवसर पर पधारे सुप्रीम कोर्ट के माननीय न्यायाधीश महोदय के समक्ष नवांकुर के बच्चों ने स्वच्छता अभियान पर नाटिका प्रस्तुत की ।

विदिशा नगर में गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित भारत पर्व में अपनी प्रस्तुति देते नवांकुर के बच्चे

परीक्षा-परिणाम

एक नजर में

प्राथमिक विभाग

कक्षा	कुल छात्र	सम्मिलित छात्र	उत्तीर्ण छात्र	ग्रेड					प्रतिशत
				A	B	C	D	E	
शिशु 'क'	92	88	73	49	20	04	-	15	83%
शिशु 'ख'	96	94	92	61	22	08	01	02	97%
01	84	84	84	34	27	23	-	-	100%
02	96	96	94	39	28	26	01	02	98%
03	141	138	137	75	35	27	-	01	99%
04	142	142	133	48	33	35	17	09	93.66%
05	152	152	148	62	46	40	-	04	97.36%

माध्यमिक विभाग

कक्षा	कुल छात्र	सम्मिलित छात्र	उत्तीर्ण छात्र	ग्रेड					प्रतिशत
				A	B	C	D	E	
6th	145	145	143	54	42	45	02	02	98.62%
7th	175	175	168	62	46	52	08	07	96%
8th	173	173	171	93	53	24	01	02	98.84%

उच्चतर माध्यमिक विभाग

कक्षा	कुल छात्र	सम्मिलित छात्र	उत्तीर्ण छात्र	पूरक छात्र	अनुत्तीर्ण छात्र	श्रेणी			प्रतिशत
						प्रथम	द्वितीय	तृतीय	
9th	206	206	166	17	23	110	52	04	80.58%
11-C	79	79	61	8	10	21	23	17	77.21%
11-B	35	35	29	3	3	16	13	-	82.85%
11-M	122	122	107	8	7	65	42	-	87.70%
				English Medium					
11 Math	23	22	21	-	1	18	3	-	95.45%
11 Bio	5	5	5	-	-	4	1	-	100%

परीक्षा-परिणाम

कक्षा	छात्र/छात्रा का नाम	पिता का नाम	माता का नाम	प्राप्तांक	प्रतिशत	स्थान
शिशु'क'	कु. दिव्या कुशवाह	श्री लक्ष्मण सिंह	श्रीमती वर्षा कुशवाह	**197/200**	**98.5%**	प्रथम
शिशु'क'	कु. मोहिनी कुशवाह	श्री दिनेश कुशवाह	श्रीमती सुनीता	**191/200**	**95.5%**	द्वितीय
शिशु'क'	कु. लक्ष्य साहू	श्री संतोष साहू	श्रीमती क्रांति साहू	**186/200**	**93%**	तृतीय
शिशु'ख'	संस्कार किरार	श्री वासुदेव किरार	श्रीमती सीमा देवी	**195/200**	**97.5%**	प्रथम
शिशु'ख'	कु. प्रियंका मालवीय	स्व. श्री गोलू मालवीय	श्रीमती लक्ष्मी	**195/200**	**97.5%**	प्रथम
शिशु'ख'	विवेक दुबे	श्री सत्येन्द्र दुबे	श्रीमती ममता	**194/200**	**97%**	द्वितीय
शिशु'ख'	गौतम दांगी	श्री राघवेन्द्र सिंह	श्रीमती साधना	**194/200**	**97%**	द्वितीय
शिशु 'ख'	प्रिन्स यादव	स्व. श्री राकेश यादव	श्रीमती कमला	**192/200**	**96%**	तृतीय
कक्षा–1	आकाश दाँगी	श्री तेजसिंह दाँगी	श्रीमती सीमा दाँगी	**901/930**	**96.88%**	प्रथम
कक्षा–1	कु. मिली लोधी	श्री महेन्द्र लोधी	श्रीमती महेश्वरी	**875/930**	**94.08%**	द्वितीय
कक्षा–1	कु. वैष्णवी रघुवंशी	श्री हेतसिंह रघुवंशी	श्रीमती बैजन्ती	**871/930**	**93.65%**	तृतीय
कक्षा–2	शिवम दाँगी	श्री महेश दाँगी	श्रीमती रश्मि दाँगी	**912/930**	**98.06%**	प्रथम
कक्षा–2	कु. प्रीति अहिरवार	श्री मूलचंद अहिरवार	श्रीमती मोहनबाई	**899/930**	**96.66%**	द्वितीय
कक्षा–2	कु. ज्योति दाँगी	श्री ब्रजमोहन दाँगी	श्रीमती सुषमा	**898/930**	**96.55%**	तृतीय
कक्षा–3	कु. समीक्षा कुशवाह	श्री नवलसिंह कुशवाह	श्रीमती शशि	**1131/1150**	**98.34%**	प्रथम
कक्षा–3	विवेक दाँगी	श्री अवधेश सिंह	श्रीमती कविता दाँगी	**1125/1150**	**97.82%**	द्वितीय
कक्षा–3	कु. भूमि सोनी	श्री विनोद सोनी	श्रीमती रानी सोनी	**1099/1150**	**95.56%**	तृतीय
कक्षा–4	कृष राठौर	श्री विजय सिंह	श्रीमती विनीता	**1130/1150**	**98.26%**	प्रथम
कक्षा–4	गौतम दाँगी	श्री रामबाबू दाँगी	श्रीमती निशा दाँगी	**1126/1150**	**97.91%**	द्वितीय
कक्षा–4	हर्ष शर्मा	श्री राकेश शर्मा	श्रीमती सरोज शर्मा	**1104/1150**	**96%**	तृतीय
कक्षा–5	कु. कीर्ति बघेल	श्री लक्ष्मणसिंह	श्रीमती रुपवती	**1124/1150**	**97.73%**	प्रथम
कक्षा–5	राजकुमार गुप्ता	श्री प्रवीण गुप्ता	श्रीमती रेषु गुप्ता	**1124/1150**	**97.73%**	प्रथम
कक्षा–5	कु. सुहानी रघुवंशी	श्री रामकृष्ण रघुवंशी	श्रीमती भूरी बाई	**1122/1150**	**97.56%**	द्वितीय
कक्षा–5	कु. महिमा दाँगी	श्री शंभूसिंह दाँगी	श्रीमती रानी दाँगी	**1117/1150**	**97.13%**	तृतीय
कक्षा–6	रितिका कुर्मी	श्री रामकेश कुर्मी	श्रीमती रश्मि कुर्मी	**1687/1710**	**98.65%**	प्रथम
कक्षा–6	पूनम रघुवंशी	श्री भारतसिंह	श्रीमती सीमा रघुवंशी	**1668/1710**	**97.54%**	द्वितीय
कक्षा–6	सत्यम बघेल	श्री देवेन्द्र सिंह	श्रीमती राजकुमारी	**1654/1710**	**96.72%**	तृतीय

परीक्षा-परिणाम

कक्षा	छात्र/छात्रा का नाम	पिता का नाम	माता का नाम	प्राप्तांक	प्रतिशत	स्थान
कक्षा–7	कु. बिपाशा दाँगी	श्री राघवेन्द्र सिंह	श्रीमती रमाबाई	**1706/1710**	**99.77%**	प्रथम
कक्षा–7	कु. अनुष्का शर्मा	श्री मनमोहन शर्मा	श्रीमती शारदा	**1680/1710**	**98.24%**	द्वितीय
कक्षा–7	कु. अनुमति जेतली	श्री संदीप जेतली	श्रीमती सरोज	**1679/1710**	**98.18%**	तृतीय
कक्षा–8	कु. प्रियंका रघुवंशी	श्री पूरनसिंह	श्रीमती शिवकुमारी	**1704/1710**	**99.64%**	प्रथम
कक्षा–8	कु. शानू दाँगी	श्री भूपतसिंह	श्रीमती सविता दाँगी	**1695/1710**	**99.12%**	द्वितीय
कक्षा–8	कु. तनु साहू	श्री ओमप्रकाश	श्रीमती सविताबाई	**1691/1710**	**98.88%**	तृतीय
कक्षा–9	कु. कीर्ति रघुवंशी	श्री वीरसिंह रघुवंशी	श्रीमती सविताबाई	**587.6/600**	**97.93%**	प्रथम
कक्षा–9	कु. मुस्कान ठाकुर	श्री बाबूसिंह ठाकुर	श्रीमती क्रांति	**507/600**	**97.83%**	द्वितीय
कक्षा–9	मनु साहू	श्री ब्रजेश रोशन साहू	श्रीमती सीमा साहू	**584.5/600**	**97.42%**	तृतीय
कक्षा–11 बायो.	कु. सोनम रघुवंशी	श्री नारायण सिंह	श्रीमती नन्नी बाई	**474.5/500**	**94.90%**	प्रथम
	कु. दीक्षा रघुवंशी	श्री रामकृष्ण रघुवंशी	श्रीमती हेमलता	**460.1/500**	**92.02%**	द्वितीय
	कु. रक्षा रघुवंशी	श्री रामकृष्ण रघुवंशी	श्रीमती हेमलता	**458.4/500**	**91.68%**	तृतीय
कक्षा–11 वाणिज्य	कु. सलोनी रघुवंशी	श्री जितेन्द्र सिंह	श्रीमती मीना रघुवंशी	**470.02/500**	**94.04%**	प्रथम
	कु. प्रीति रघुवंशी	श्री भागीरथसिंह	श्रीमती सरोज रघुवंशी	**469.07/500**	**93.94%**	द्वितीय
	कु. चंचल शर्मा	श्री उमाशंकर शर्मा	श्रीमती पंकजमणी	**456.9/500**	**91.37%**	तृतीय
कक्षा–11 गणित	कु. चंचल दुबे	श्री गजानंद दुबे	श्रीमती विशाखा दुबे	**470.8/500**	**94.16%**	प्रथम
	विकास कुमार दुबे	श्री महेश कुमार दुबे	श्रीमती राममणी दुबे	**467.1/500**	**93.42%**	द्वितीय
	जयदेव ठाकुर	श्री दुर्ग सिंह ठाकुर	श्रीमती मेघा देवी	**456.0/500**	**91.20%**	तृतीय
	कक्षा – 11 (नवांकुर–अंग्रेजी माध्यम) गणित एवं बायोलॉजी					
कक्षा–11 गणित/बायो	कु. स्वाति यादव	श्री राजेश यादव	श्रीमती विष्णु यादव	**475.1/500**	**95.02%**	प्रथम
	कु. नमीषा लाड़	श्री रुपेश लाड़	श्रीमती इन्दु लाड़	**450.3/500**	**90.06%**	द्वितीय
	हर्षवर्द्धन तिवारी	श्री राकेश तिवारी	श्रीमती मनीषा तिवारी	**431.2/500**	**86.24%**	तृतीय

विभिन्न कक्षाओं में विशिष्ट योग्यता वाले विद्यार्थी

क्र.	छात्र/छात्रा का नाम	पिता का नाम	कक्षा	विषय	प्राप्तांक
1.	कु. दिव्या कुशवाह	श्री लक्ष्मण सिंह	के.जी.–I	अंग्रेजी / गणित	50 / 50
2.	संस्कार किरार	श्री वासुदेव	के.जी.–II	गणित	50 / 50
3.	मोहित कुशवाह	श्री मुकेश कुशवाह	के.जी.–II	गणित	50 / 50
4.	कु. प्रियंका मालवीय	श्री गोलू मालवीय	के.जी.–II	गणित	50 / 50
5.	कु. ऋषिका दाँगी	श्री साहब सिंह	के.जी.–II	गणित	50 / 50
6.	अर्जित बघेल	श्री राजेन्द्र सिंह बघेल	के.जी.–II	गणित	50 / 50
7.	कु. पलक रघुवंशी	श्री जितेन्द्र सिंह	के.जी.–II	गणित	50 / 50
8.	प्रिन्स यादव	स्व. श्री राकेश यादव	के.जी.–II	अंग्रेजी	50 / 50
9.	विवेक दुबे	श्री सत्येन्द्र दुबे	के.जी.–II	अंग्रेजी	50 / 50
10.	कु. आयुषी दाँगी	श्री भारत सिंह दाँगी	दो 'ब'	गणित	100 / 100
11.	कु. उमाश्री शर्मा	श्री चन्द्र कुमार शर्मा	पाँच	गणित	100 / 100
12.	कु. सुहानी रघुवंशी	श्री रामकृष्ण रघुवंशी	पाँच	गणित	100 / 100
13.	कु. ऊषा साहू	श्री नारायण प्रसाद	छह 'ब'	हिन्दी	100 / 100
14.	कु. रितिका कुर्मी	श्री रामकेश कुर्मी	छह 'ब'	अंग्रेजी, संस्कृत	100 / 100
15.	कु. बिपाशा दाँगी	श्री राघवेन्द्र सिंह	सात 'ब'	हिन्दी	100 / 100
16.	कु. विभा मीना	श्री निरपत सिंह	सात 'ब'	हिन्दी	100 / 100
17.	कु. अनुमति जेतली	श्री संदीप जेतली	सात 'स'	विज्ञान	100 / 100
18.	कु. महक दाँगी	श्री शम्भू सिंह	सात 'स'	विज्ञान	100 / 100
19.	कु. बिपाशा दांगी	श्री राघवेन्द्र दांगी	सात 'ब'	संस्कृत	100 / 100
20.	कु. अनुष्का शर्मा	श्री मनमोहन शर्मा	सात 'स'	संस्कृत	100 / 100
21.	विशाल दांगी	श्री अवधेश दाँगी	आठ 'द'	हिन्दी	100 / 100
22.	कु. सिमरन बघेल	श्री यशवंत बघेल	आठ 'द'	हिन्दी	100 / 100
23.	शोभित कुशवाह	श्री सीताराम कुशवाह	आठ 'ब'	गणित	100 / 100
24.	कु. शैफाली राठौर	श्री विजय सिंह	आठ 'ब'	गणित	100 / 100
25.	कु. सेजल जैन	श्री विजय जैन	आठ 'ब'	गणित	100 / 100
26.	कु. तनु साहू	श्री ओम प्रकाश साहू	आठ 'स'	गणित	100 / 100
27.	सौरभ शर्मा	श्री नवल किशोर	आठ 'स'	गणित	100 / 100
28.	कु. प्रियंका रघुवंशी	श्री पूरनसिंह	आठ 'स'	गणित	100 / 100
29.	कु. निकिता राठौर	श्री खिलानसिंह राठौर	आठ 'इ'	गणित	100 / 100
30.	कु. शानू दाँगी	श्री भूपत सिंह	आठ 'इ'	गणित	100 / 100
31.	कु. प्रियंका रघुवंशी	श्री पूरन सिंह	आठ 'स'	विज्ञान	100 / 100
32.	कु. तनु साहू	श्री ओम प्रकाश	आठ 'स'	संस्कृत	100 / 100
33.	कु. प्रार्थना लोधी	श्री हरिनारायण	नौ	गणित	100 / 100
34.	शैलेन्द्रसिंह रघुवंशी	श्री रामनाथसिंह	नौ	गणित	100 / 100
35.	कु. साक्षी कुशवाह	श्री गुलाबसिंह	नौ	गणित	100 / 100
36.	कु. प्रीति रघुवंशी	श्री भागीरथ सिंह रघुवंशी	11 'वाणि.'	अर्थशास्त्र	100 / 100
37.	कु. सलोनी रघुवंशी	श्री जितेन्द्र सिंह रघुवंशी	11 'वाणि.'	अर्थशास्त्र	100 / 100
38.	कु. डॉली रघुवंशी	श्री जीवन सिंह रघुवंशी	11 'वाणि.'	अर्थशास्त्र	100 / 100

RESULT
At a Glance 2017

Class	Total Students	Appeared Students	Pass Students	Grade					Percent
				A	B	C	D	E	
Nursery	167	167	163	156	05	01	01	04	97.60%
KG-I	222	222	222	175	31	12	04	-	100%
KG-II	277	277	277	228	35	11	03	-	100%
Std.-I	174	174	172	123	27	20	02	02	99%
Std.-II	120	120	117	78	26	11	02	03	97.5%
Std.-III	114	114	105	44	34	25	02	09	92.1%
Std.-IV	103	103	100	48	32	17	03	03	97.1%
Std.-V	97	97	92	61	16	15	-	05	94.8%
Std.-VI	74	74	69	30	26	13	-	05	93.24%
Std.-VII	68	68	58	31	16	11	-	10	85.29%
Std.VIII	72	72	67	32	28	07	-	05	93.05%
Std.-IX	63	63	61	01	01	48	07	01	96.8%

DOLPHIN

The School of Wisdom
From the houseof
NAVANKUR

Merit List - 2017

Class	Student's name	Father's name	Mother's name	Marks	Rank	Per.
Nur.	Ku. Harshita Raghuwanshi	Mr. Hitesh	Mrs. Neetu	200/200	I	100%
	Arnav Gupta	Mr. Chandresh	Mrs. Ankita	200/200	I	100%
	Ku. Harshita Raghuwanshi	Mr. Niranjan	Mrs. Rashmi	200/200	I	100%
	Shekh Rehan	Mr. Shekh Shafik	Mrs. Shekh Shaila	200/200	I	100%
	Ku. Veshnavi Bhargav	Mr. Gajanand	Mrs. Sunita	200/200	I	100%
	Ku. Anshika Parihar	Mr. Virendra	Mrs. Umabai	200/200	I	100%
	Ku. Nitya Vishwakarma	Mr. Roop Narayan	Mrs. Vinita	200/200	I	100%
	Ku. Siddhi Yadav	Mr. Sanju Yavav	Mrs. Neeta	200/200	I	100%
	Ku. Shreya Raghuwanshi	Mr. Mohan Singh	Mrs. Varsha	199/200	II	99.5%
	Ku. Shreyansh Kushwaha	Mr. Santosh	Mrs. Reema	199/200	II	99.5%
	Anay Bhavsar	Mr. Harish	Mrs. Nisha Bagsar	199/200	II	99.5%
	Ku. Divyanshi Sahu	Mr. Vikas	Mrs. Nisha Sahu	199/200	II	99.5%
	Ku. Sapna Raghuwanshi	Mr. Brijendra	Mrs. Sulekha	199/200	II	99.5%

परीक्षा-परिणाम

Class	Student's name	Father's name	Mother's name	Marks	Rank	Per.
Nur.	Ku. Navi Gour	Mr. Ganesh	Mrs. Pooja	200/200	I	100%
	Ku. Soumya Soni	Mr. Dinesh	Mrs. Madhu	200/200	I	100%
	Ku. Shraddha Kushwah	Mr. Jahar Singh	Mrs. Parvati	200/200	I	100%
	Ku. Aditi Dubey	Mr. Hari Narayan	Mrs. Jyoti	200/200	I	100%
	Ku. Anshika Jaat	Mr. Arvind	Mrs. Shushma	200/200	I	100%
	Ku. Anishka Dangi	Mr. Dashrath Singh	Mrs. Sona	200/200	I	100%
	Ku. Ekta Baghel	Mr. Satendra Singh	Mrs. Radha Bai	199/200	II	99.5%
	Ku. Ritika Raghuwanshi	Mr. Rajesh	Mrs. Seema	199/200	II	99.5%
	Akshat Sharma	Mr. Brajesh	Mrs. Dolly	199/200	II	99.5%
	Parth Raghuwanshi	Mr. Lokendra	Mrs. Preeti	199/200	II	99.5%
	Ku. Anvi Dangi	Mr. Dharmendra	Mrs. Madhvi	199/200	II	99.5%
	Abhilasha Kushwah	Mr. Sumer Singh	Mrs. Savitri Bai	198/200	III	99%
	Deevesh Jain	Mr. Ajay Kumar	Mrs. Ameeta	198/200	III	99%
	Ku. Sakshi Chourasiya	Mr. Devendra	Mrs. Mithlesh	198/200	III	99%
	Ku. Sanya Raghuwanshi	Mr. Rajesh	Mrs. Vandana	198/200	III	99%
	Shishank Rathor	Mr. Badri Narayan	Mrs. Halki Bai	198/200	III	99%
	Ku. Nandini Dangi	Mr. Kamal Singh	Mrs. Rajni	198/200	III	99%
	Devesh Kushwah	Mr. Rajkumar	Mrs. Gayatri	198/200	III	99%
	Ku. Yashvi Vishwakarma	Mr. Hemant	Mrs. Ranu	198/200	III	99%
	Ku. Riddhi Raghuwanshi	Mr. Rajendra	Mrs. Rajni	198/200	III	99%
KG-I	Samarth Arora	Mr. Rakesh	Mrs. Neetu	199/200	I	99.5%
	Arnav Gupta	Mr. Chandresh	Mrs. Ankita	199/200	I	99.5%
	Ku. Palak Dubey	Mr.. Narvada Prasad	Mrs. Rekha Bai	199/200	I	99.5%
	Abhay Kurmi	Mr. KrishnaMurari	Mr. Pooja Devi	199/200	I	99.5%
	Ku. Sejal Dangi	Mr. Narayan Singh	Mr. Surekha	198/200	II	99%
	Ku. Niranjana Dangi	Mr. Rajendra Singh	Mr. Rachna	197/200	III	98.5%
KG-II	Ku. Koushki Dubey	Mr. Pradeep	Mrs. Laxmi	200/200	I	100%
	Ku. Ayushi Yadav	Mr. Vijay Singh	Mrs. Sapna	200/200	I	100%
	Darsh Sharma	Mr. Akhilesh	Mrs. Sapna	200/200	I	100%
	Ku. Pragati Dangi	Mr. Ram Kumar	Mrs. Sharmila	200/200	I	100%
	Ku. Divy Shah	Mr. Piyush	Mrs. Ritika	200/200	I	100%
	Naitik Chaturvedi	Mr. Yogesh	Mrs. Rachna	200/200	I	100%
	Ku. Vaishnavi Rajput	Mr. Yogendra Singh	Mrs. Neeta	200/200	I	100%
	Mr. Shivam Prajapati	Mr. Jag Mohan	Mrs. Shanti Bai	200/200	I	100%
	Ku. Dishita Namdeo	Mr. Krishnamkant	Mrs. Sangeeta	199/200	II	99.5%
	Ku. Soumya Dubey	Mr. Girish Dubey	Mrs. Sapna	199/200	II	99.5%
	Rudransh Kushwah	Mr. Santosh	Mrs. Reena	199/200	II	99.5%

परीक्षा-परिणाम

Class	Student's name	Father's name	Mother's name	Marks	Rank	Per.
KG-II	Ku. Nandini Khatik	Mr. Deepak	Mrs. Jyoti	198/200	III	99%
	Ku. Aarohi Samaiya	Mr. Amit	Mrs. Seema	198/200	III	99%
	Ku. Ichchha Sharma	Mr. Monu	Mrs. Priyanka	198/200	III	99%
	Kunal Siloriya	Mr. Veerendra	Mrs. Geeta	198/200	III	99%
I	Ku. Tanushri Agrawal	Mr. Ashvini	Mrs. Nandini	920/930	I	99%
	Ku. Nandini Raghuwanshi	Mr. Shailendra	Mrs. Neeta	916/930	II	98.4%
	Shiva Raghuwanshi	Mr. Jitendra	Mrs. Vrinda	914/930	III	98.2%
	Ku. Swati Sharma	Mr. Chandra	Mrs. Rohni	914/930	III	98.2%
II	Ku. Khushi Jain	Mr. Pankaj	Mrs. Bharti	925/930	I	99.4%
	Ku. Shree Sharma	Mr. Pawan Kumar	Mrs. Megha	925/930	I	99.4%
	Ku. Anushka Sharma	Mr. Deepak	Mrs. Manorama	925/930	I	99.4%
	Ku. Nimisha Tiwari	Mr. Sushil	Mrs. Alpna	925/930	I	99.4%
	Arshan Khan	Mr. Kasim	Mrs. Rani	924/930	II	99.3%
	Saksham Jatav	Mr. Sunil Kumar	Mrs. Santoshi	923/930	III	99.2%
III	Ku. Bipasha Thakur	Mr. Rajendra	Mrs. Lekhni	1125/1150	I	97.8%
	Ku. Joyal Raghuwanshi	Mr. Surendra	Mrs. Manisha	1124/1150	II	97.7%
	Darsheel Shrivastava	Mr. Rakesh	Mrs. Preeti	1122/1150	III	97.5%
IV	Ku. Sonam Meena	Mr. Raghuveer	Mrs. Sheela Bai	1149/1150	I	99.9%
	Ku. Saloni Vishwakarma	Mr. Ramsevak	Mrs. Meera Bai	1138/1150	II	98.9%
	Aditya Meena	Mr. Balbeer Singh	Mrs. Vimla	1135/1150	III	98.7%
V	Ku. Niharika Tiwari	Mr. Sushil	Mrs. Alpna	1144/1150	I	99.4%
	Nikhil Dangi	Mr. Rajendra	Mrs. Mamta	1141/1150	II	99.2%
	Ku. Avni Jain	Mr. Rajiv	Mrs. Rajni	1129/1150	II	98.1%
VI	Shashank Kumar Jatav	Mr. Sunil Kumar	Mrs. Santoshi	1647/1710	I	96.3%
	Kanishk Richhariya	Mr. Pawan	Mrs. Nidhi	1613/1710	II	94.3%
	Ku. Ritika Choudhary	Mr. Rajesh	Mrs. Suman	1595/1710	III	93.2%
VII	Rahul Vadhwani	Mr. Ram	Mrs. Ritu	1615/1710	I	94.4%
	Akshada Deshpande	Mr. Manish	Mrs. Ratna	1610/1710	II	94.2%
	Khushi Raghuwanshi	Mr. Khilan Singh	Mrs. Rano	1604/1710	III	93.8%
	Himanshu Raghuwanshi	Mr. Devendra Singh	Mrs. Jaishree	1604/1710	III	93.8%

परीक्षा-परिणाम

Class	Student's name	Father's name	Mother's name	Marks	Rank	Per.
VIII	Harsh Jain Anshul Meena Ku. Divya Shrivastava	Mr. Manoj Jain Mr. Raghuveer Mr. Sushil	Mrs. Preeti Jain Mrs. Sheela Mrs. Savita	1652/1710 1605/1710 1602/1710	I II III	96.6% 93.9% 93.7%
IX	Kanupriya Mehta Chitranshi Shrivastava Kaushik Raw Jatav	Mr. Rajendra Mr. Omprakash Mr. Raw Sahab	Mrs. Vandana Mrs. Madhu Mrs. Sarita	581.5/600 575.9/600 572.2/600	I II III	96.92% 95.98% 95.37%

(1) रंगोली प्रतियोगिता–दीपावली पर्व के अवसर पर अक्टूबर माह में डाल्फिन छात्र–छात्राओं ने रंगोली के रंगों से विद्यालय प्रागंण को सुसज्जित कर दिया। विद्यालय के लगभग 100 छात्रों ने इस प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभागिता की। जिनमें कु. खुशी गुप्ता (कक्षा–6) तथा कु. पूर्वा भाटे (कक्षा–7), कु भव्या दुबे (कक्षा–8), कु. नैन्सी सैनी (कक्षा–9) तथा कु. चारूल तिवारी (कक्षा–10) द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके प्रथम स्थान प्राप्त किया।

(2) थाल–सज्जा प्रतियोगिता–भारतीय संस्कृति में पूजा–अर्चना में थाली के महत्व को समझते हुए छात्र–छात्राओं के लिए थाल–सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय की ना केवल छात्राओं ने बल्कि छात्रों ने भी प्रतिभागिता दी। जिसमें कु. महक जैन (कक्षा–6), कु. सृष्टि तिवारी (कक्षा–7), कु. दिशा जैन (कक्षा–8), कु. अंशु रघुवंशी (कक्षा–9), कु. निशिका जैन (कक्षा–10) के द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया।

(3) राखी बनाओ प्रतियोगिता–भाई–बहन के पवित्र रिश्ते को ओर अधिक प्रगाढ़ करने हेतु रक्षाबंधन पर्व के माह में विद्यालय के छात्र–छात्राओं के लिए राखी बनाने की प्रतिभागिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों ने सुंदर–सुंदर राखियाँ बनाकर अपनी कला का परिचय दिया।कु. कोयना तिवारी (कक्षा–6), उत्कर्ष दिवाकर (कक्षा–7), अचिंत जैन (कक्षा–8), कु. प्रांशी जैन (कक्षा–9) तथा कु. दीक्षा जैन (कक्षा–10) ने इस प्रतियोगिता में अपनी का कला का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देकर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

एक कदम सीखने की ओर

सीखने व सिखाने के कलात्मक व व्यावहारिक तरीके के विचार को ध्यान में रखते हुए एवं छात्राओं की कला को एक नया आयाम देने के लिए डाल्फिन विद्यालय में एक नवीन व अनोखा प्रयास किया गया। 20 नवम्बर 2016 को शिक्षकों के मार्गदर्शन में डाल्फिन छात्रों द्वारा एक अद्वितीय प्रदर्शनी लगाई गई। विद्यालय के नवीन

डॉल्फिन

परिसर में यह प्रदर्शनी लगाई गई जिसमें छात्र/छात्राओं द्वारा न सिर्फ विज्ञान पर बल्कि शिक्षा के सभी पहलुओं पर मॉडल बनाये गये, जिसमें दुनिया के सात अजूबे, मानव जीवन के 16 संस्कार, 12 ज्योतिर्लिंग, परियों की दुनिया तथा विश्व की सर्वाधिक प्राचीन सिंधु सभ्यता मुख्य आकर्षण का केन्द्र थे। सभी बनाई गई कलाकृतियाँ वास्तविक प्रतिरूप दृष्टिगोचर हो रही थी। प्रदर्शनी का उद्घाटन श्रीमान् के.के. पंजाबी (प्रो. एस.ए.टी.आई. कॉलेज, विदिशा) व श्री एस.एन.शर्मा (प्रो.एस.ए.टी.आई. कॉलेज, विदिशा) द्वारा किया गया। अतिथियों द्वारा छात्र–छात्राओं की अदभुत कृतियों की सराहना की गई व उन्हें मार्गदर्शन दिया। श्री के.के.पंजाबी के अनुसार ''अद्भुत सभी कलाकृतियाँ वास्तविकता का प्रतिरूप हैं''। श्री एस.एन. शर्मा के विचार में, ''निम्नतम लागत पर बनाई गई कृतियाँ अनुपयोगी वस्तुओं द्वारा बनाई गई हैं व उन्हें सुन्दर आकार दिया गया है''। सभी दर्शकों के विचार में सभी कृतियाँ कल्पनातीत हैं। श्रीमती अंजली मनोज यादव (जनपद पंचायत अध्यक्ष, गंजबासौदा) व श्रीमती मधुलिका अग्रवाल (अध्यक्ष, नगर पालिका गंजबासौदा) व श्रीमान राजेश तिवारी जी प्रदर्शनी में अतिथि के रुप में उपस्थित रहे व छात्र–छात्राओं की कृतियों की सराहना कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस प्रदर्शनी की सबसे खास विशेषता यह थी कि इस प्रदर्शनी में विद्यालय के माध्यमिक व उच्चस्तर के सभी छात्र–छात्राओं ने अपना योगदान दिया व इस प्रदर्शनी को सफल किया। प्रदर्शनी के पश्चात् अतिथियों द्वारा मेघावी छात्रों को पुरूस्कार वितरण किया गया व कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की वरिष्ठ वर्ग की शिक्षिका कु.नीतू तनवानी द्वारा अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

डाल्फिन स्कूल के मैदान में पंचदिवसीय वार्षिक खेलों का आयोजन 20 जनवरी 2017 से 24 जनवरी 2017 किया गया जिसमें डॉल्फिन के छात्र–छात्राओं ने खेलों के प्रति अपनी रूचि को उत्साह के साथ प्रदर्शित किया। एकल तथा टीम खेलों का आयोजन पी.टी.आई. श्री विजय शर्मा व सहायक शिक्षक कु. निधि शर्मा के द्वारा किया गया ।

26 फरवरी 2017 को डाल्फिन के शिक्षकों तथा छात्रों द्वारा वर्षभर में हुई विभिन्न प्रतियोगिता के विजेता छात्र–छात्राओं को पुरूस्कार वितरण कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर कक्षा–10 के

डॉल्फिन

छात्रों को नवांकुर प्राचार्य श्री एस.के.दीक्षित तथा डाल्फिन प्राचार्य श्री रमेश शर्मा द्वारा केरियर मार्गदर्शन दिया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया

विशेष उपलब्धियाँ –

(1) एल.आई.सी. ग्रुप के द्वारा सत्र 2015–16 के प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं का सम्मान किया गया

(2) डॉल्फिन छात्रों को स्काउट में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राज्यपाल पुरूस्कार द्वारा सम्मानित किया गया।

(3) सत्र 2016–17 के कक्षा–10 के सभी छात्र गणतंत्र दिवस पर हमारे महान क्रांतिकारियों की वेशभूषा में ।

(4) श्रीमान् एस. के दीक्षित द्वारा कक्षा–10 के छात्र–छात्राओं को कैरियर हेतु मार्गदर्शन देते हुए।

शैक्षिणिक सत्र 2016–17 के अन्तर्गत डॉल्फिन के प्राथमिक विभाग में निम्नलिखित प्रतियोगिताओं का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया–

1. रंगोली प्रतियोगिता–अक्टूबर माह में रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्राथमिक विभाग के लगभग 70 छात्र–छात्राएँ प्रतिभागी बने। बच्चों ने दीपावली का उत्साह रंगोली के माध्यम से दर्शाया ।इस प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति नैना बघेल व अवनि जैन (कक्षा–5) द्वारा संयुक्त रूप से दी गई एवं द्वितीय स्थान नैना कोरी व प्रिया पंथी (कक्षा–5) ने प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त कनिष्झ शर्मा, निखिल दांगी आदि छात्र–छात्राओं के द्वारा सराहनीय रंगोलियाँ अंकित की गयीं।

2. कार्ड मेकिंग एवं दीया मेकिंग– नवम्बर माह में डॉल्फिन के प्राथमिक विभाग में कार्ड तथा दीया मेकिंग

प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र–छात्राओं ने उमंग व उत्साह के साथ भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं में से दीया मेकिंग प्रतियोगिता में नैना कोरी (कक्षा–5), आकृति श्रीवास्तव कक्षा–2 व भूमि शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इनके अलावा अन्य विद्यार्थियों की प्रस्तुतियाँ भी सराहनीय रहीं।

कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता में कक्षा–2 से सारांश सैनी, कक्षा–3 से सक्षम जैन व कक्षा–4 से अनुष्का देशपाण्डे ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अन्य छात्र–छात्राओं ने भी मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी।

3. फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता– नवम्बर माह के आखिरी सप्ताह में प्राथमिक विभाग के अन्तर्गत कक्षा KG-II से कक्षा–2 तक के नन्हें–मुन्ने बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का विस्तार भवन के (निम्नतल) में आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 250 छात्रों एवं छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। इस प्रतियोगिता में नन्हें–मुन्ने बच्चों ने ऐतिहासिक महापुरूषों से लेकर वर्तमान तक के प्रसिद्ध व्यक्तियों की वेश–भूषा व हाव–भाव की मनमोहक झलकियाँ प्रस्तुत की।

4. खेल–कूद प्रतियोगिता– जनवरी माह के प्रथम सप्ताह में वार्षिक खेलों का आयोजन डॉल्फिन विस्तार भवन के खेल मैदान में किया गया जिसमें विभिन्न एकल व सामूहिक खेलों का आयोजन किय गया। खेल प्रतियोगिताओं के अन्तर्गत 100 मी. दौड़, 200 मी. दौड़, कीप रेस, शेक रेस, क्रिकेट, चेयर रेस एवं खो–खो, आदि खेलों का आयोजन किया गया।

उपर्युक्त खेलों में छात्र–छात्राओं ने खेल–भावना का परिचय देते हुए उत्साह व आनन्द से भाग लिया। प्रतियोगिताओं को विद्यालय की P.T.I. कु. निधि शर्मा ने अपने निर्देशन में सम्पन्न कराया।

5. वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह– फरवरी के अन्तिम सप्ताह में वार्षिक पुरस्कार वितरण का आयोजन किया गया। इस पुरस्कार वितरण समारोह में वर्ष भर में आयोजित सभी प्रतियोगिताओं में लगभग 125 विजेता छात्र–छात्राओं को उनकी सराहनीय प्रस्तुतियों के लिए पुरस्कार प्रदान किये गये।

DOLPHIN

List of getting 100% marks

S.N.	Student's Name	Father' Name	Class	Subject	Marks
1.	Ku. Tanushri Agrawal	Mr. Ashvini	I	Eng/Hindi	920/930
2.	Shiva Raghuwanshi	Mr. Jitendra Singh	I	Eng	914/930
3.	Ku. Tanishka Soni	Mr. Mahesh	I	Eng	906/930
4.	Shanu Raghuwanshi	Mr. Sanjay	I	Eng	897/930
5.	Ku. Sanyogita Rajput	Mr. Indar Singh	I	EVS	905/930
6.	Ku. Anmol Khilwani	Mr. Manoj	I	Eng	913/930
7.	Ku. Astha Raghuwanshi	Mr. Jagat Singh	I	Eng	905/930
8.	Ku. Manya Gupta	Mr. Swadesh	I	Hindi	889/930
9.	Ku. Pranjali Lodhi	Mr. Krishan Pal	I	Maths	887/930
10.	Ku. Khushi Dangi	Mr. Ramraj Singh	I	EVS	903/930
11.	Ku. Khushi Jain	Mr. Pankaj	II	Eng/Math/EVS	925/930
12.	Ku. Mahi Jain	Mr. Manish	II	Hindi	898/930
13.	Ku. Shree Sharma	Mr. Pawan Kumar	II	Eng/Hindi	925/930
14.	Ku. Vaishnavi Yadav	Mr. Dinesh	II	EVS	872/930
15.	Ku. Anushka Sharma	Mr. Deepak	II	Maths/EVS	925/930
16.	Ku. Nimisha Tiwari	Mr. Sushil	II	Eng/Hindi/EVS	925/930
17.	Ku. Aditi Lodhi	Mr. Omkar Singh	II	Maths/EVS	916/930
18.	Ku. Jyoti Sharma	Mr. Purushottam	II	Eng	879/930
19.	Ku. Gauri Raghuwanshi	Mr. Virendra	II	EVS	914/930
20.	Ku. Pallavi Raghuwanshi	Mr. Yashpal	II	Hindi	907/930
21.	Rishabh Lodhi	Mr. Yogesh	II	Maths/EVS	919/930
22.	Saksham Jatav	Mr. Sunil	II	Maths/EVS	923/930
23.	Arshan Khan	Mr. Kasim	II	Maths/EVS	924/930
24.	Ku. Janhvi Sharma	Mr. Vinay	II	EVS	904/930
25.	Ku. Bipasha Thakur	Mr. Rajendra	III	Hindi/Maths	1125/1150
26.	Darsheel Shrivastava	Mr. Rakesh	III	Maths	1122/1150
27.	Ku.Aakrati Shrivastava	Mr.Aditya	III	EVS	1118/1150
28.	Ku. Saloni Vishwakarma	Mr. Ramsevak	IV	Eng/Maths	1138/1150
29.	Yuvraj Rajput	Mr. Surendra Singh	IV	Eng	1088/1150
30.	Ku. Kavya Mehta	Mr. Neetesh Kumar	IV	Eng.	1101/1150
31.	Ku. Sonam Meena	Mr. Raghuveer Singh	IV	Eng/Maths/EVS	1149/1150
32.	Harshal Mehta	Mr. Rajendra	IV	Maths	1033/1150
33.	Nikhil Dangi	Mr. Rajendra	V	Maths/EVS	1141/1150
34.	Niharika Tiwari	Mr. Sushil	V	Maths	1144/1150
35.	Ku. Kanupriya Mehta	Mr. Rajendra Mehta	IX	Science	581.5/600
36.	Ku. Chitranshi	Mr. O.P.Shrivastava	IX	Science	575.9/600

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना, शिविर प्रतिवेदन

दिनांक 25.12.2016से 31.12.2016 तक

शिविर ग्राम : ग्राम स्यावदा, ग्राम पंचायत रबरयाई

शिक्षा को वर्तमान परिस्थिति के अनुरूप अधिक संगत बनाने के लिये एवं छात्रों के व्यक्तित्व विकास के लिये उन्हें समाज सेवा के अवसर प्रदान करने के लिये राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा प्रतिवर्ष सात दिवसीय वार्षिक विशेष शिविर का आयोजन किया जाता है। इसी तारतम्य में संस्था की रा.से.यो. की बालक एवं बालिका इकाई का संयुक्त सात दिवसीय वार्षिक विशेष शिविर ग्राम स्यावदा ग्राम पंचायत रबरयाई में दिनांक 25.12.2016से 31.12.2016 तक आयोजित किया गया।

ग्रामीण जीवन की वास्तविकताओं का प्रत्यक्ष परिचय कराने, जिससे स्वयंसेवकों में राष्ट्र व समाज के विकास केलिये सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हो एवं समाज सेवा की भावना जाग्रत हो, अस्तु अनुसूचित जाति बहुल ग्राम स्यावदा का चयन शिविर हेतु किया गया।

शिविर के पूर्व ग्राम की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार की गई। मध्य प्रदेश शासन द्वारा गठित आनंद विभाग मंत्रालय द्वारा आयोजित होने वाला आनंद उत्सव का आगाज शिविर में करने की योजना बनाई गई। साथ ही भारत सरकार के कैशलेस ट्रांजेक्शन प्रशिक्षण कार्यशाला के आयोजन की रूपरेखा भी तैयार की गई।

प्रथम दिवस (25 दिसम्बर 2016)

सभी आवश्यक सामग्री लेकर उमंग एवं उत्साह से भरपूर शिविरार्थी स्वयंसेवकों के दल ने गंज बासौदा से लगभग 4.5 कि.मी. उत्तर दिशा में स्थित ग्राम स्यावदा की ओर प्रस्थान किया। पहुंचते ही सर्वप्रथम शिविर स्थल शासकीय प्राथमिक शाला परिसर की सफाई की। टेंट लगाकर बौद्धिक, सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल तैयार किया। आवास, भोजन, जल एवं प्रकाश आदि की समुचित व्यवस्थायें कीं। गोष्ठी के माध्यम से अगले दिन के लिये प्रस्तावित परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई।

द्वितीय दिवस (26दिसम्बर 2016)

दिनांक 26दिसम्बर 2016को बौद्धिक कार्यक्रम में शिविर का विधिवत् उद्‍घाटन किया गया। उद्‍घाटन समोराह में मुख्य अतिथि के रूप में शाला के प्रभारी श्री प्रशांत शर्मा विशेष अतिथि ग्राम पंचायत के उप सरपंच श्री जितेन्द्र शर्मा नवांकुर उ.मा.वि. के प्राचार्य श्री शैलेन्द्र कुमार दीक्षित एवं अन्य शिक्षकगण उपस्थित हुए थे। माँ सरस्वती एवं रासेयो प्रेरणा पुरूष स्वामी विवेकानंद के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर शिविर का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा किया गया। स्वयंसेवकों ने अक्षत रोली एवं रासेयो बैज लगाकर सभी अतिथियों का स्वागत किया। रासेयो बालक इकाई कार्यक्रम अधिकारी श्री शम्भूसिंह रघुवंशी ने सात दिवसीय शिविर के उददेश्य पर प्रकाश डालते हुए प्रत्येक दिवस की थीम के अनुसार कार्ययोजना की जानकारी दी। सभी अतिथियों ने अपने उद्‍बोधन में शिविर की सफलता के लिये शुभकामनायें दीं।

तृतीय दिवस 27 दिसम्बर 2016:-

शिविरार्थियों ने सुनिश्चित दिनचर्यानुसार ध्वज प्रणाम, ईश वन्दना, पीटी, व्यायाम के बाद व्यसन मुक्ति एवं कुरीति उन्मूलन सम्बन्धी जन-जागरूकता रैली निकाली। परियोजना कार्य के अन्तर्गत ग्राम के नलकूप के पास जमा पानी की उचित निकासी के लिये सोख्ता गड्ढों का निर्माण किया गया। बालिका इकाई द्वारा ग्रामीण बालिकाओं एवं महिलाओं को मेंहदी, रंगोली आदि का कला-प्रशिक्षण

दिया। बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत सम्मेलन के साथ हुआ आनंद उत्सव का आगाज। कवि सम्मेलन में कवियों ने अपनी कविताओं के माध्यम से ऐसा शमा बांधा कि उपस्थित जन समुदाय हंसी और ठहाकों से गुंजायमान हो उठा। शिविर स्थल में मानो आनंद बरसने लगा। कवि श्री आशीष दुबे के संचालन में श्री नीलेश चतुर्वेदी, कमलेश बंसल, ध्रुव शर्मा, महेन्द्र भार्गव, स्वयंसेवक अनस खां, मृदुल शर्मा, कु. श्रुतिका नेमा एवं कार्यक्रम अधिकारी श्री शम्भूसिंह रघुवंशी ने जहां हास्य व्यंग्य के माध्यम से लोगों को गुदगुदाया तो वहीं सामाजिक कुरीतियों पर कुठाराघात करते हुए जन जागृति का प्रसार किया।

चतुर्थ दिवस 28दिसम्बर 2016

प्रतिदिन अनुसार प्रात:कालीन गतिविधियों के उपरान्त परियोजना कार्य के अन्तर्गत समवेत् स्वरों में ''नौ जवान आओ रे'' गीत गाते हुए गांव की नालियों की सफाई स्वयंसेवकों द्वारा की गयी। जब स्वयंसेवक इस कार्य को कर रहे थे, तब ग्रामीण एक-एक करके एकत्रित होकर कौतूहल एवं विस्मय से देख रहे थे। हमने कभी सोचा भी न था कि शहरों के लड़के ऐसा काम भी कर सकते हैं। इन्होंने तो हमारी आंखे खोल दीं। ग्रामीणों के ऐसे उद्‌गार सुनकर लगा कि स्वयंसेवक स्वच्छता का सन्देश देने में सफल हुए। बौद्धिक सत्र में ग्रामीणों को कैशलेस ट्रांजेक्शन का प्रशिक्षण देने के लिये कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रशिक्षण एस.बी.आई. बैंक, स्टेशन रोड शाखा के उप-प्रबंधक श्री ए.एल. सलैया, सपना केशवनानी व संध्या वर्मा ने दिया। प्रशिक्षण में ग्रामीणों एवं स्वयंसेवकों को कैशलेस ट्रांजेक्शन करना सिखाया।

पंचम दिवस, 29 दिसम्बर 2016:-

शिविर का पंचम दिवस मातृ शक्ति को समर्पित थ। प्रात: कालीन योग, व्यायाम पीटी आदि के गतिविधियों के बाद परियोजना कार्य के अन्तर्गत स्वयंसेवकों ने समीप के ग्राम लघु स्यावदा में स्वच्छता अभियान चलाया एवं ग्राम की सफाई की। बौद्धिक कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण पर आधारित था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती अंजली

यादव (जनपद अध्यक्ष) कार्यक्रम की अध्यक्ष भाजपा नेत्री व समाज सेविका श्रीमती शशि यादव, विशेष अतिथि श्री के.व्ही. मालवीय (जनपद सी.ई.ओ.) थे। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन सरस्वती पूजन के उपरान्त अतिथियों का स्वागत अक्षत रोली व एन.एस.एस. बैज लगाकर किया गया। स्वयंसेवकों ने एक के बाद एक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये, तो जनपद सी.ई.ओ. ने स्वच्छता पर प्रेरक गीत सैंया शौचालय बनवा दो.... गाया, तो ग्रामीण महिलायें भी अपने आपको रोक न सकीं एवं नाचने झूमने लगीं। आनंद के ऐसे पल कदाचित ही कभी विस्मृत हों। स्वच्छ भारत अभियान में स्वयंसेवकों के योगदान की सराहना ग्रामीणों द्वारा की जा रही थी। सभी अतिथियों ने स्वयंसेविकाओं द्वारा ग्रामीण महिलाओं को दिये जा रहे प्रशिक्षण मे मेंहदी, कढ़ाई, चित्रकला, रांगोली का अवलोकन कर उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं, छात्राओं को पुरस्कृत किया।

षष्टम दिवस, 30 दिसम्बर 2016:-

एड्स जागरूकता, मलेरिया कारण एवं बचाव, जनसंख्या नियन्त्रण नि:शुल्क रक्त समूह परीक्षण शिविर से सम्बन्धित गाजे-बाजे के साथ जन जागरूकता रैली निकाली। परियोजना कार्य के अन्तर्गत ग्राम के समीप जल कुण्ड की सफाई एवं गहरीकरण का कार्य किया। बौद्धिक

सत्र में मुख्य अतिथि श्री अनिल दुबे सचिव रक्त सेवा समिति, गंजबासौदा, श्री दिनेश शर्मा, श्री हरिनारायण शर्मा सदस्य गण रक्त सेवा समिति ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात् नि:शुल्क रक्त समूह परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें ग्रामीणों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। महिलाओं एवं पुरूषों की अलग-अलग लगन में रक्त समूह का नि:शुल्क परीक्षण किया गया। 77 महिलाओं एवं 121 पुरूषों ने अपने-अपने रक्त का परीक्षण कराया एवं रक्तदान करने का संकल्प लिया। स्वयंसेवकों ने रक्तदान से सम्बन्धित नाटक का मंचन भी इस अवसर पर किया। शिविर में प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रानिक मीडियाकर्मी पत्रकार भी उपस्थित हुए एवं शिविर की गतिविधियों को अपने-अपने कैमरे में कैद किया।

सप्तम दिवस, 31 दिसम्बर 2016:-

सातवें दिवस शिविर में समापन पुरस्कार वितरण के साथ किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री नाटू भाई, विशेष अतिथि रासेयो जिला संगठक डॉ.पी. के जगा, शाला प्रभारी श्री प्रशांत शर्मा, कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री कांतिभाई शाह, अध्यक्ष, नागरिक सेवा समिति ने की। मां सरस्वती एवं विवेकानन्द के चित्र के समक्ष पूजन-अर्चन के उपरान्त अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम

राष्ट्रीय सेवा योजना

अधिकारी ने शिविर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्वच्छ भारत पर आधारित नाटक प्रस्तुत किया गया। इसके बाद अतिथियों ने ग्रामीणों एवं स्वयंसेवकों को सम्बोधित किया। तत्पश्चात ग्राम के निर्धन परिवारों को नागरिक सेवा समिति की ओर से 50 कम्बलों का वितरण कराया गया। बालक-बालिकाओं एवं कला प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को विभिन्न पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। बालिका कार्यक्रम अधिकारी सुश्री वंदना भार्गव ने शिविर में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष सहयोग देने वाले प्रत्येक जन का आभार माना। इस शिविर में संस्था के प्राचार्य श्री शैलेन्द्र दीक्षित का विशेष मार्गदर्शन निरन्तर मिला। साथी शिक्षक संदीप रावत का अथक एवं सतत् सहयोग के बिना शिविर

की सफलता सम्भव नहीं थी। इन दोनों का आभार व्यक्त करने के लिये मेरे पास शब्द ही नहीं हैं। सायं शिविरार्थियों ने शिविर स्थल से सकुशल अपने गृह की ओर प्रस्थान किया।

शम्भूसिंह रघुवंशी (कार्यक्रम अधिकारी)

LIFE RELEASES MUCH THAN ABSORBS

We do our work in the life. We do our work with full of enthusiasm and positive attitude. It is our attempt to get output. The positive thinking and laborious feeling help to get positive result in our life. If we do negative activities, we shall get the result of these activities very much. For example, if we wish and respect for someone, life will provide us double followers. The harmful effects on life can affect us deeply and break us seriously. It is also moral of holy books and experience of our forefathers. The work without selfishness and full laborious thinking is the way to get lifetime prosperity and comfort zone. What we are getting is the result of our input. It is believable how the people got much output and fruits of their work.

Abhishek Mishra
Lecturer-English

सार-समाचार

1. भारत ने ठोकी सैटेलाइट की सेंचुरी – श्री हरिकोटा के अंतरिक्ष केन्द्र ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम विकास में एक नया अध्याय जोड़ दिया, भारत ने एक साथ 100 से ज्यादा सैटेलाइट एक साथ प्रक्षेपित करके दुनिया का पहला देश होने का गौरव हासिल किया। इनमें अमेरिका के अलावा इजराइल, हॉलैण्ड, यू.ए.ई., स्विटजरलैण्ड और कजाकिस्तान के छोटे आकार के सैटेलाइट शामिल हैं।

2. जीतू ने वर्ल्डकप में जीता सोना–जीतू राय ने आई.एस.एस.एफ. विश्वकप निशाने बाजी में पुरूषों की 50 मीटर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता जबकि एक अन्य भारतीय अमनप्रीतसिंह रजत पदक हासिल करने में सफल रहे।

3. भारत फिर से ब्लाइण्ड टी-20 वर्ल्ड कप चैम्पियन–भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबले में चिरप्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 9 विकेट से हराकर ब्लाइण्ड टी-20 वर्ल्ड कप जीत लिया। इससे पहले 2012 में भी पाकिस्तान को ही हराकर भारत ने खिताब पर कब्जा किया था।

4. शिक्षक ने खुद के खर्चे से प्रयोग शाला बनाई–जहां सरकारी स्कूलों में प्रयोगशालायें जर्जर होकर अनुपयोगी साबित हो रही हैं, वहीं खरगोन जिला मुख्यालय से 23 कि.मी. दूर ग्राम रायबिडपुरा के शिक्षा कैलाश मंडलोई ने खुद के खर्चे और कबाड की वस्तुओं से शानदार प्रयोग शाला बनाई। मंडलोई ने प्रयोगशाला में कबाड़ के सामान से भौतिक, रसायन व जीव विज्ञान सम्बन्धित सरल प्रयोगों की सामग्री समावेशित की है।

5. आई.पी.एल.-10, नीलामी में स्टोक्स सबसे महंगे बिके–आई.पी.एल. – 10 के लिये हुई नीलामी में इंग्लैण्ड के बैन स्टोक्स (आलरांउडर) इस वर्ष सबसे महंगे बिके। उन्हें बेस प्राइज 2 करोड़ से सात गुना ज्यादा कीमत देकर राइजिंग पुणे सुपर जायंटस ने 14.5 करोड़ रूपये में खरीदा। जबकि भारत के ईशान्त शर्मा व इरफान पठान को कोई खरीददार नहीं मिला।

6. नये साल पर कर्मचारियों को 1200 कारें गिफ्ट– गुजरात के हीरा व्यापारी सावजी भाई ढोलकिया ने न्यू ईयर बोनस के रूप में कर्मचारियों को 1200 कारें गिफ्ट की हैं। इस बार उन्होंने डेटसन रेडी गो कारें बाँटी हैं। उनकी हीरा ओर टेक्सटाइल की इण्डस्ट्रीज है, जिसमें 5500 से ज्यादा कर्मचारी काम करते हैं।

7. 112 फीट ऊँची शिवप्रतिमा का अनावरण–पी.एम. नरेन्द्र मोदी ने कोयम्बटूर में शिवरात्रि के अवसर पर भगवान शिव की 112 फीट ऊँची प्रतिमा का अनावरण किया। इस मूर्ति को

सार-समाचार

धर्मयोगी जग्गी वासुदेव की संस्था ईशा फाउंडेशन ने बनवाया है, जिसका उद्देश्य अगली शिवरात्रि तक 10 करोड़ लोगों को योग की शिक्षा देना है।

8. एक विज्ञापन के लिये 110 करोड़ की डील–भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने एक नामी लाइफ स्टाइल ब्रांड के साथ 110 करोड़ रूपये का करार किया है जर्मनी के इस ब्रांड के साथ कोहली का 8 साल का अनुबन्ध हुआ है, कोहली को इससे फिक्सड पेमेण्ट और ब्रांड के प्रदर्शन के आधार पर रायल्टी मिलेगी।

9. चार सीरीज में लगातार चार डबल सेंचुरी–टीम इण्डिया के कप्तान विराट कोहली ने सिर्फ 7 महीने में ही चौथी डबल सेंचुरी लगाकर इतिहास रच दिया उनहोंने ये चारों डबल सेंचुरी वेस्टइंडीज (200), न्यूजीलैण्ड (211), इंगलैण्ड (235) और बांग्लादेश (204) के विरूद्ध लगातार चार टेस्ट सीरीज में बनाई।

10. फ्रांस की आइरिस मिटएनेरे बनीं मिस यूनिवर्स–फिलीपींस की राजधानी मनीला में आयोजित सौन्दर्य प्रतियोगिता में फ्रांस की 24 साल की आइरिस मितेनेयर ने 65वीं मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता का ताज अपने नामकर लिया है। हैवी की राक्सेल पेलिशियन दूसरे स्थान पर रहीं। भारत की शेशमिला हरिमूर्ति अंतिम 13 में भी जगह नहीं बना सकीं।

11. हाईकोर्ट में हिंदी भाषा में काम –कानून एवं कार्मिक मामलों की संसदीय समिति ने देश के सभी 24 उच्च न्यायालयों में हिन्दी और क्षेत्रीय भाषाओं में भी कामकाज किये जाने की सिफारिश की है।

12. कण्डे जलाने से हवा में फैले बैक्टीरिया हो जाते हैं नष्ट –कण्डे जलाने से आसपास के वातावरण में फैले विषाणु नष्ट हो जाते हैं। गौ विज्ञान अनुसंधान केन्द्र का दावा है कि कण्डों के धुएं से एक निश्चित अवधि के लिये आसपास का वातावरण 80 फीसदी शुद्ध हो जाता है। नागपुर के गौविज्ञान अनुसंधान केन्द्र में इसके वैज्ञानिक पहलू पर कई शोध भी हुए हैं। केन्द्र के संचालक सुनील मानसिंह बताते हैं, कण्डे के धुएं से हवा में फैले विषाणु नष्ट हो जाते हैं।

13. कोहली बने भारत के तीसरे सफल कप्तान– भारत ने एकमात्र टेस्ट में बांग्लादेश को 208रन से हराकर लगातार छठी टेस्ट श्रृंखला जीत ली। टीम इण्डिया 23 मैचों में 15 जीत 4 ड्रा के साथ पिछले 19 टेस्ट मैचों में अजेय बनी हुई है। भारत ने कोहली की अगुवाई में श्रीलंका को 2–1 से अफ्रीका को 3–0 से, वेस्टइंडीज 2–0 से, न्यूजीलैण्ड को 4–0 से, बांग्लादेश को 1–0 से हराया।

14. नोकिया 3310 का नया वर्जन इन्टरनेट और कैमरे के साथ लांच–नोकिया कम्पनी ने वर्सिलोना में पिछले दिनों मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस 2017 के प्री–इवेंट में पहला 5 जी मोबाइल लांच किया है। इसके तीन वर्जन नोकिया 3, नोकिया 5 और नोकिया 6लांच किया। ये कम्पनी के पहले एन्ड्रायड फोन हैं। नोकिया ने फीचर फोन 3310 को 17 साल बाद रिलांच किया है।

15. भारत ने 200 रन से कम लक्ष्य खाकर भी मैच जीता–

भारत ने दूसरे टेस्ट मैच में आस्ट्रेलिया को 75 रन से हराकर चार टेस्ट मैचों की सीरीज में 1–1 से बराबरी हासिल कर ली है। अश्विन ने कंगारू टीम को 112 पर समेटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उन्होंने 41 रन देकर 6विकेट झटके।

16. भारतीय की लगी 13 करोड़ रूपये की लॉटरी–अबूधावी में 33 साल का एक भारतीय केरल के श्रीराज कृष्णन कोप्परेम्बिल मालामाल हो गये, उनकी करीब 13 करोड़ रूपये की लॉटरी निकली। श्रीकृष्णन 9 सालों से यू.ए.ई. काम कर रहे हैं।

सुनील भावसार, समाचार सम्पादक

कैरियर

लक्ष्य

1. कोई भी व्यक्ति किसी भी कीमत पर उस लक्ष्य को हासिल कर लेता है जिसमें उसके प्रति असीमित उत्साह मन में होता है।
2. हजारों मीलों का सफर भी पहले कदम से ही प्रारम्भ होता है।
3. जीवन एक बार ही मिलता है लेकिन यदि आप इसे अपने सही लक्ष्य पाने के हिसाब से जीते हैं तो एक बार का ही जीवन पर्याप्त है।
4. सबसे पहले किसी वस्तु को पाने का लक्ष्य बनाओ फिर उसे पाने के लिये प्रयास करो प्रयास में असफल होने पर निराश मन हो बल्कि पुन: प्रयास करो सफलता आपके हाथों में होगी।
5. प्रत्येक अच्छा कार्य पहले असंभव ही नजर आता है।
6. अगर आपको दूसरे के कामों में मन लगाने की आदत है तो आपका अपने कामों का दिवाला निकल जायेगा।
7. अच्छे कार्यों के लिये विशेष परिस्थितियों की प्रतीक्षा न करें बल्कि अपनी सामान्य परिस्थितियों को विशेष मानकर अपने लक्ष्य को पूरा करने का प्रयास करते रहें।
8. यदि आप सर्वोच्च शिखर पर पहुंचने के आकांक्षी हैं तो सबसे नीचे से कार्य करना शुरू करें।
9. हर कार्य को करने का साहस करें ताकि पीछे मुड़कर देखने पर आपको मौका खो देने का दु:ख न हो।
10. एकाग्रता से ही कार्य करने पर सफलता प्राप्त होती है।

प्रशांत नामदेव, पुस्तकालय सहायक

रोचक जानकारी

हमारे देश के राष्ट्रपति

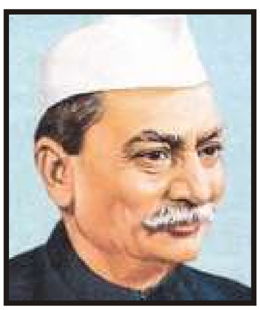

1. **राजेन्द्र प्रसाद (1884-1963) :-** कार्यकाल 26जनवरी 1950 से 13 मई 1962 तक। राजेन्द्र प्रसाद का जन्म 3 दिसम्बर 1884 को बिहार प्रांत के एक छोटे से गांव जीरादेयू में हुआ था। राजेन्द्र प्रसाद राष्ट्रपति बनने से पहले 3 बार अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और संविधान सभा के अध्यक्ष रह चुके थे। भारत के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न अवार्ड की शुरूआत राजेन्द्र प्रसाद के द्वारा 2 जनवरी 1954 को हुई थी। उस समय केवल जीवित व्यक्ति को ही भारत रत्न दिया जाता था। राजेन्द्र प्रसाद देश के पहले राष्ट्रपति तथा दो बार राष्ट्रपति पद पर निर्वाचित होने वाले एकमात्र व्यक्ति रहे।

2. **डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन (1888-1975) :-** कार्यकाल 13 मई 1862 से 13 मई 1969 उपराष्ट्रपति से राष्ट्रपति बनने वाले पहले व्यक्ति जन्मदिवस 5 सितम्बर जो शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। 1933 से 1937 तक लगातार पांच बार साहित्य के नोबल पुरस्कार के लिये नामिल किये गये।

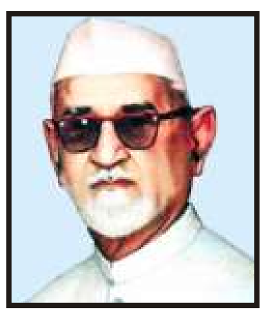

3. **डॉ. जाकिर हुसैन (1897-1969) :-** कार्यकाल 13 मई 1967 से 3 मई 1969 तक। डॉ. जाकिर हुसैन 1954 मे पद्मविभूषण से सम्मानित हुए तथा 1955 से 1957तब वे जिनेवा में सभापति और यूनेस्को के सदस्य के रूप

में सम्मानित पद पर रहे। आप जामिया इस्लामिया विश्व विद्यालय के संस्थापक भी थे। इन्होंने कई पुस्तकें भी लिखीं, शिक्षा को वे एक ऐसा साधन मानते थे, जिसके द्वारा व्यक्ति का पूर्ण विकास हो। जाकिर हुसैन पहले मुस्लिम राष्ट्रपति रहे। राष्ट्रपति पद पर आसीन रहते हुए मृत्यु।

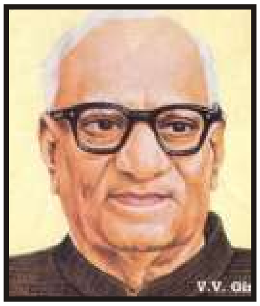

4. **बाराहगिरी वेंकट गिरी (1894–1980)** :– कार्यकाल 3 मई 1969 से 20 जुलाई 1969 तक और 24 अगस्त 1969 से 24 अगस्त 1974 तक। भारत सरकार ने उनके योगदान और उत्तरादाायित्वों को मद्दे नजर रखकर उन्हें वर्ष 1975 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देकर सम्मानित किया।

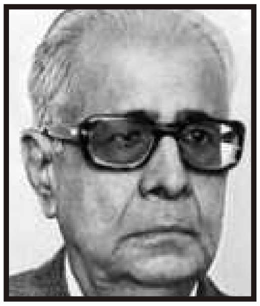

5. **मोहम्मद हिदायतुल्ला (1905–1992)** :– कार्यकाल 20 जुलाई 1969 से 24 अगस्त 1974 तक। मोहम्मद हिदायतुल्ला नागपुर में उच्च प्रांत की कोर्ट में वकील के रूप में पंजीकरण करवाया उन्हें नागपुर उच्च न्यायालय में सरकारी वकील नियुक्त किया गया। वे 25 फरवरी 1968से 16दिसम्बर 1970 तक भारत के मुख्य न्यायाधीश रहे। अपने समय में वे भारत के उच्चतम न्यायालय के सबसे क्रम उम्र के न्यायाधीश थे। वह भारत के पहले मुस्लिम न्यायाधीश रहे।

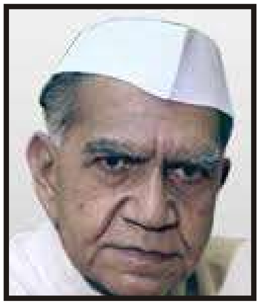

6. **डॉ. फखरुद्दीन अली अहमद (1905–1977)** :– कार्यकाल 24 अगस्त 1974 से 1977 तक। यह असम के एक आर्मी डॉक्टर थे। फखरूद्दीन अहमद 1925 में इंग्लैण्ड में जवाहर लाल नेहरू से मिले। वे उनके विचारों से बहुत प्रभावित हुए। तभी से उन्होंने भारत की राजनीति से जुड़ने का फैसला लिया।

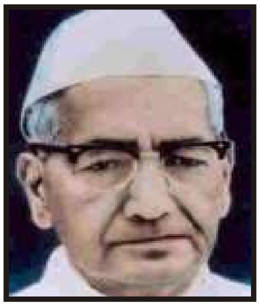

7. **बी.डी. जत्ती (1912–2002)** :– कार्यकाल 11 फरवरी 1977 से 25 जुलाई 1977 तक। इनका पूरा नाम बासप्पा दानप्पा जत्ती था। 31 अगस्त 1974 को राष्ट्रपति फखरुद्दीन ने उपराष्ट्रपति की शपथ ग्रहण करायी। फखरूद्दीन का निधन होने के कारण 11 फरवरी 1977 को देश का कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाया गया।

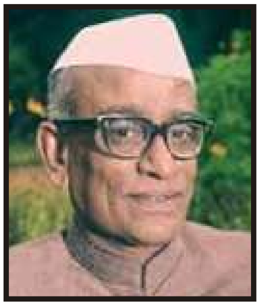

8. **नीलम संजीव रेड्डी (1913–1996)** :– कार्यकाल 25 जुलाई 1977 से 25 जुलाई 1982 तक। राष्ट्रपति बनने से पहले उन्होंने कई महत्वपूर्ण राजनैतिक पदों पर कार्य किया। इनमें प्रमुख हैं आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री, दो बार लोक सभा के अध्यक्ष और केन्द्रीय मंत्रीमंडल में मंत्री।
रेड्डी भारत के सबसे कम उम्र के राष्ट्रपति बनने वाले व्यक्ति थे। उन्हें राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में पहली बार विफलता प्राप्त हुई जब वो वीवी गिरी से बहुत कम अंतर से हार गए पर दूसरी बार उम्मीदवार बनाये जाने पर निर्विरोध राष्ट्रपति निर्वाचित हुए।

9. **ज्ञानी जैल सिंह (1916–1994)** :– कार्यकाल 25 जुलाई 1982 से 25 जुलाई 1987 तक। ज्ञानी जैल सिंह देश के पहले सिक्ख राष्ट्रपति थे। इन्होंने पंजाब में धार्मिक शिक्षा प्राप्त की और इसी आधार पर इन्हें ज्ञानी की उपाधि मिली। आजादी के बाद वह कांग्रेस में एक लोकप्रिय नेता के रूप मे उभरे, पंजाब में विभिन्न मंत्रालयों का प्रभार संभालने के बाद वह 1972 में राज्य के मुख्यमंत्री बने। ज्ञानी जैल सिंह ने 25 जुलाई 1982 को देश के राष्ट्रपति पद की शपथ ली।

10. **आर वेंकटरमन (1910–2009)** :– कार्यकाल 25 जुलाई 1987 से 25 जुलाई 1992 तक। इनका पूरा नाम

रोचक जानकारी

रामास्वामी वेंकटरमन था। इन्होंने 1942 में भारत की स्वतंत्रता के लिये महात्मा गांधी जी के साथ भारत छोड़ो आंदोलन में हिस्सा लिया। 1944 में इन्होंने तमिलनाडु कांग्रेस समिति में श्रमिक संघ का गठन किया और प्रभारी के रूप में कार्य संभाला। थोड़े समय बाद ही वे ट्रेड यूनियन लीडर के रूप में स्थापित हो गए। 1949 में इन्होंने श्रमिक कानून पत्रिका शरू की।

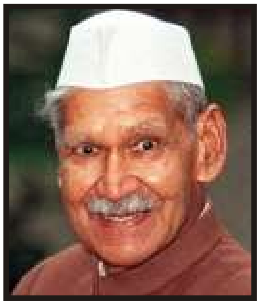

11. **डॉ. शंकर दयाल शर्मा (1918–1992)** :- कार्यकाल 25 जुलाई 1992 से 25 जुलाई 1997 तक। एक महान पत्रकार भी थे। 1974 से 1977 तक वे कैबिनेट में संचार मंत्री रहे। शंकरदयाल शर्मा दो बार 1971 एवं 1980 में लोकसभा सीट के लिये भोपाल से खड़े हुए। 1964 में आंध्रप्रदेश के राज्यपाल बने। बेटी गीतांजलि ओर दामाद ललित माकन जो कि एक राजनेता थे उन्हें सिक्ख आतंकवादियों ने मार डाला। इसके बाद इन्होंने आंध्रप्रदेश से राज्यपाल पद छोड़ दिया और 1985 में पंजाब के राज्यपाल बन गये। 1992 राष्ट्रपति नियुक्त किया गया।

12. **के.आर. नारायण (1920–2005)** :- कार्यकाल 25 जुलाई 2002। इनका पूरा नाम कोच्चेरील रामन नारायण था। ये 7 भाई बहन थे गरीब होने के बावजूद इनके पिता ने शिक्षा को हमेशा प्राथमिकता दी।

13. **डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम (1931–2015)** :- कार्यकाल 25 लुलाई 2002 से 25 जुलाई 2007 तक। इनका पूरा नाम डॉक्टर अबुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम था। बचपन में इनका सपना फाटर बनने का था। लेकिन समय के साथ सपना बदल गया। 1950 में बी.एस.सी. की परीक्षा सेण्ट जोसफ

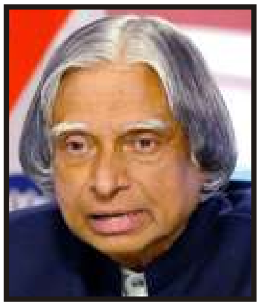

कॉलेज से पूरी की। इसके बाद 1954–57 में मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी से ऐरोनोटिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया। 1997 में ए.पी.जे. अब्दुल कलाम आजाद को विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में योगदान के लिये भारत के सबसे बड़े सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

14. **प्रतिभा पाटिल (1934)** :- कार्यकाल 25 जुलाई 2007 से 25 जुलाई 2012 तक। प्रतिभा पाटिल के पिता सरकारी वकील थे। इसलिये परिवार में बेटी की शिक्षा के लिये अनुकूल माहौल था। वैसे चौथे दशक तक अधिकांश मध्यम वर्गीय परिवार में बेटियों की शिक्षा के लिये चेतना ही नहीं थी। लेकिन इन्होंने कानून की पढ़ाई की। वे टेबिल टेनिस की अच्छी खिलाड़ी थी। 1962 में वे एम.जे. कॉलेज में कॉलेज क्वीन चुनी गयी।

15. **प्रणब मुखर्जी (11 दिसम्बर 1935)** :- कार्यकाल 25 जुलाई 1912 से अब तक। लोकसभा, राज्यसभा वित्तमंत्री रक्षा, विदेश मंत्री योजना आयोग के उपाध्यक्ष के रूप में 6दशकों तक देश की सेवा की। पी.बी. नरसिम्हाराव जब प्रधानमंत्री थे तब उन्होंने मुखर्जी को योजना आयोग का प्रमुख बना दिया। प्रणव मुखर्जी 1912 में पी.ए. संगमा को 70 प्रतिशत वोटों से हराकर राष्ट्रपति पद पर विराजमान हो गए। 2007 में देश के दूसरे बड़े सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित हुए। 2010 में एक रिसर्च के बाद फाइनेस मिनिस्टर ऑफ दी ईयर फॉर एशिया अवॉर्ड दिया गया।

सचेन्द्र सिंह रघुवंशी, कक्षा– 11 गणित प्रथम

व्यंग्य

कलाम साहब आपके जाने का दुख बहुत है। हमें लेकिन गुस्सा भी बहुत आता है। आप यह क्या सिखाकर चले गये। अपने जीवन में केवल दो छुट्टियाँ लीं। आप तो आप थे आराम कर सकते थे। फिर एक काम की रट क्यों लगाए रहें। सबसे बड़ी बात आप नेता ही क्यों बने? क्या कोई नेता पढ़ा लिखा होता है? यदि आप राष्ट्रपति बने तो आपने यह नियम क्यों नहीं बना दिया की अब से कोई अंगूठा छाप नेता नहीं बनेगा? जिस दिन नेता संसद में लड़ेंगे तो सेलरी काटी जायेगी। लेट आने वाले सांसदों की क्लास लगेगी। मुझे नाराजगी इस बात को लेकर भी है कि आपने भारत को मिसाईल ही क्यों दी? न हमारे पास आधुनिक हथियार होते, न ही पड़ोसी देश हम से लड़ते। आप एक बेग लेकर राष्ट्रपति भवन में पहुँचे और कार्यकाल खत्म होने के बाद एक बैग लेकर निकले। जबकि आपके बाद वाले ट्रकों में समान भरकर निकला। मध्य प्रदेश से तो चपरासी के घर से करोड़ों रूपये निकले हैं और आप एक बैग ले के निकले। यह आप क्या सिखा गए आगे वाली पीढ़ी को सादगी और शालीनता से किसी का पेट नहीं भरा है। कलाम साहब लोगों को आपके जैसा सम्मान नहीं सिर्फ पैसा चाहिए। एक और बात आपकी बहुत गलत लगती है। अपने कभी भी राष्ट्रपति जैसा रौब नहीं जमाया। यहाँ तो पार्षद भी मदमस्त हाथी की तरह चलता है उसे आसपास वाले दिखाई नहीं देते। लेकिन आपके लिये कोई एक ऊँची कुर्सी लगा दे, तो आप गुस्सा हो जाते थे। छोटे बड़े का भेद तो आपको समझना चाहिए था न। अब बात करते हैं आपकी कमाई की, मुझे जितना पता है कि राष्ट्रपति को 1 लाख रूपये के लगभग सेलरी मिलती है और सुविधायें अलग से। सरकार पैसे देती है खुद पे खर्च करने के लिये, ऐसो आराम और मस्ती के लिये। लेकिन आपने अपनी पूरी सेलरी एनजीओ को दे दी। यहाँ तक की आपके घर वाले मिलने के लिये दिल्ली आये तो अपनी सेलरी से दिया एक बार हुकुम तो देते सब कुछ फ्री में हो जाता और मेंने ऐसा सुना है कि आप सफलता का श्रेय अपने जुनियर्स को देते हैं। कलाम साहब शिकायतों की लिस्ट बहुत बड़ी है। मुझे पता है कि आप लौट के जरूर आओगे। अगली बार शिकायतो ंकी लिस्ट याद रखना और या तो हमें अच्छा न सिखाना और सिखाओ तो भारत के भाग्य विधाता तुम ही बनना।

आप हमेशा जिओगे और हमारे दिल में बसे हो कलाम साहब, आपका प्रिय मित्र

– सम्यक्त जैन

कक्षा–11 (बायो.)

कलयुग का
रावण

रावण बनना भी कहाँ आसान था,
रावण में अहंकार था तो पश्चाताप भी था,
रावण में वासना थी तो संयम भी था,
रावण में सीता के अपहरण करने की ताकत थी,
तो बिना सहमति पराई स्त्री को
स्पर्श न करने का संकल्प भी था,
सीता जीवित मिली ये राम की ही ताकत थी.... पर.......
सीता पवित्र मिली ये रावण की ही मर्यादा थी,
राम तुम्हारे युग का रावण अच्छा था,
दस चेहरे होते थे,
पर दस के दस चेहरे सब बाहर रखता था।

–अनुराधा बघेल

कक्षा–11 वाणिज्य

है जज्बा देश भक्ति का, मन है निडर वीर शक्ति का,
जाहूं चाहे मर, तिरंगा फहराऊँ शक्ति का, है जज्बा देश भक्ति का,
जहन में तेजस देश भक्ति का, परिचय आज मैं करवाऊँ सैन्य शक्ति का,

वीर राष्ट्र शौर्य प्रेम की शक्ति, देखकर छाती दुश्मन की दरकती,
बार–बार होती विषम स्थिति, त्यों–त्यों जोश बड़े राष्ट्र के प्रति,
दिन–रात्रि सर्दी, गर्मी, बारह महीना, वीर खड़ा तान के सीना।

56 इंची सीना है, सीने के नगीने (दिल) में भारत की वीणा है।
यह देखत छूटत शत्रु का पसीना है, हाथ में गन कमर में बम बगल में तिरंगा
दुश्मन को खदेड़ फहराये तिरंगा

घर–द्वार त्यागत कुटुम्ब, ऐसे है भारत के वीर
दुश्मन को लगाये ठिकाने, ऐसे हैं मेरे भारत के हीरे
वर्ग, जाति, धर्म एक–इकाई, हिन्दू, मुस्लिम भाई–भाई
ऐसे खेलते युद्ध, भारत के वीर, पहुँच जाते दुश्मन नरक के नीर
राष्ट्र प्रेमी जन–जन के हीर, ऐसे हैं मेरे भारत के वीर
ऐसे हैं मेरे भारत के वीर।

हम याद करते हैं 1971, 25 दिसम्बर राजस्थान लोंगेवाला पोस्ट,
भारत पाक–सीमा, वीरों की ऐसी अद्भुत राष्ट्र प्रेम की शक्ति
जहां हमारे 120 जवान और पाक के 2000
मेजर कुलदीप यादपुरी एवं और जवानों ने, बड़ी वीरता से इस युद्ध में विजय पायी।
जब तक भारत में ऐसे वीरों का जन्म होता रहेगा कोई दुश्मन भारत को हानि नहीं पहुंचा सकता।

–निखिल राठौर
कक्षा–11 वाणिज्य

जिन्दगी के हर मोड़ पर

मेरे साथ मेरे पापा

पापा क्या कहूँ आप मेरे लिये क्या हो, रहने को है पैरो की जमीं से नीचे, पर मेरे लिये तो आप मेरा आसमां हो।

मैं कहती थी माँ से बचपन में हर छोटी चीज दिला दो, नहीं खाऊँगी खाना, मुझे बस आखिरी बार दिला दो, मुझे रोते देख पापा आप भी पिघल जाते थे, अगले दिन का वादा करके, अगले दिन जरूर ले आते थे।

याद आती है बचपन की यादें, जब आप जाते थे बाहर और हम आपको याद किया करते थे, मम्मी से हर थोड़ी देर में, कब आयेंगे पापा? पूछा करते थे। क्योंकि रहता था उस दुलार का इन्तजार जिसमें दिन के लम्हें थे कुल चार।

आज भी याद आते हैं बचपन के वो दिन, जब मेरी ऊँगली पकड़कर आपने चलना सिखाया, इस तरह से जिन्दगी में चलना सिखाया कि, जिन्दगी की हर कसौटी पर आपको अपने करीब पाया।

आज भी जब याद आ जाता है मेरी बिदाई का वो दिन, दिल भर आता है आँसू आ जाते हैं, तन्हा हो जाती हूँ मैं। सोचती थी अकेली रहूँगी एक नये शहर में आपके बिन, सोचकर ही परेशान हो जाती थी।

पापा, आप हो तो हमेशा मेरे दिल में, ये शहर क्या दूरियाँ बढ़ा सकेगा, मुझे दिन में एक बार याद कर लेना पापा, मेरे सिवा कोई आपको ज्यादा करीब न दिखेगा।

पिता रोटी है, कपड़ा है, मकान है, पिता नन्हें से परिंदे का बड़ा आसमान हैं, पिता है तो घर में प्रतिपल राग है, पिता से माँ की चूड़ी, बिंदी और सुहाग है, पिता है तो बच्चों के सारे सपने हैं, पिता है तो बाजार के सारे खिलौने अपने हैं।

कु. स्वाति रघुवंशी

कक्षा- 9 फ

एक विचार

मिली थी जिन्दगी किसी के काम आने के लिये।
पर वक्त बीत रहा है कागज के टुकड़े कमाने में।
क्या करोगे इतने पैसे कमा कर....?
न कफन में जेब है, न कब्र में अलमारी....।
और ये मौत के फरिस्ते तो रिश्वत भी नहीं लेते।
खुदा की मोहब्बत को फना कौन करेगा?
सभी नेक तो गुनाह कौन करेगा?
ए खुदा मेरे इन अपनों को सलामत रखना
वरना मेरी सलामती की दुआ कौन करेगा?
और रखना मेरे दुश्मनों को भी मेहफूस...।
वरना मेरी तेरे पास आने की दुआँ कौन करेगा?
नाम छोटा है मगर दिल बड़ा रखता हूँ।
पैसों से अमीर नहीं हूँ,
मगर अपनों के गम खरीदने की हैसियत रखता हूँ।
मुझे न हुकुम का इक्का बनना है न बादशाह
हम जोकर ही अच्छे हैं,
जिसे नसीब में आयेंगे, बाजी पलट देंगे।
मुझे पता नहीं पाप और पुण्य क्या है?
बस इतना पता है
जिस कार्य से किसी का दिल दुखे तो
पाप और
जिस कार्य से किसी के चेहरे पर मुस्कान आये तो
पुण्य।

- विकास दुबे

कक्षा-11

बच्चों की कलम से

माँ मैं फिर

माँ मैं फिर जीना चाहता हूँ,
तुम्हारा प्यारा बच्चा बनकर।
माँ मैं फिर सोना चाहता हूँ,
तुम्हारी लोरी सुनकर,
माँ मैं फिर दुनिया की तपिश का
सामना करना चाहता हूँ,
तुम्हारे आँचल की छाया पाकर,
माँ मैं फिर अपनी सारी चिन्तायें
भूल जाना चाहता हूँ, तुम्हारी गोद में सिर रखकर,
माँ मैं फिर अपनी भूख मिटाना चाहता हूँ,
तुम्हारे हाथों की बनी सूखी रोटी खाकर,
माँ मैं फिर चलना चाहता हूँ,
तुम्हारी ऊँगली पकड़कर,
माँ मैं फिर जगना चाहता हूँ,
तुम्हारे कदमों की आहट पाकर,
माँ मैं फिर निर्भीक होना चाहता हूँ,
तुम्हारा साथ पाकर,
माँ मैं फिर सुखी होना चाहता हूँ,
तुम्हारी दुआ पाकर,
माँ मैं फिर गलतियाँ सुधारना चाहता हूँ,
तुम्हारी चपत खाकर,
माँ मैं फिर संवरना चाहता हूँ,
तुम्हारा स्नेह पाकर
क्योंकि माँ मैंने तुम्हारे बिना
खुद को अधूरा पाया है।
मैंने तुम्हारी कमी हरवक्त महसूस की है।

– विकास दुबे
कक्षा–11

मैंने मेरी माँ की हथेली पर एक काला तिल देखा और कहां माँ ये दौलत का तिल है, मेरी माँ ने मेरा चेहरा अपने हाथों में थामा और कहा, हाँ बेटा! देखो मेरे हाथों में कितनी दौलत है!

किसी ने माँ के कंधे पर सिर रखके पूछा, माँ कब तक मुझे अपने कंधे पर सिर रखने दोगी तो माँ ने कहा जब तक कि लोग मुझे अपने कंधे पर न उठा लें।

जब एक रोटी के चार टुकड़े हो और खाने वाले पांच तब मुझे भूख नहीं है ऐसा कहने वाली केवल है माँ।

सुस्त रहने में भी आसान सफर लगता है ये मेरी माँ की दुआओं का असर लगता है।। जब भी किया मैंने माँ के चरणों का सजदा। आसमानों से भी ऊँचा मेरा सिर लगता है।

नींद अपनी भुलाकर सुलाया हमको।
आंसू अपने गिराकर हंसाया हमको।
दर्द कभी न देना, उस खुदा की तस्वीर को।
खुदा भी कहता है, माँ जिसको।।

कु. शुभि रघुवंशी
कक्षा–11 वाणिज्य

सम्पादक मण्डल
सलाहकार एवं मार्गदर्शक – **शैलेन्द्र कुमार पिंगले**
प्रधान सम्पादक – **सन्दीप रावत**
सहसम्पादक–**सुनील भावसार, कु. प्रीति चतुर्वेदी**
राजेन्द्र यादव, रामनारायण नरवरिया,
हितेश शर्मा, श्रीमती रश्मि प्रकाश

मजहब

जन्म से नहीं होती, किसी की पहचान,
किस मजहब में पैदा हुये ये इंसान,
हम ही नामों में मजहब तलाशते हैं,
उसे अलग–अलग धर्म का बतलाते हैं।
मजहब ईश्वर ने नहीं इंसान ने बनाया है,
हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई रूप में आया है,
मजहब ने ईश्वर को ही बाँट दिया,
राम, अल्ला, वाहेगुरू, ईसामसीह नाम दिया।
इंसानियत मर गई न कुछ मिल पाया है।
ये कैसा मजहब जिसने अपनों को ही पराया बनाया है।
बनाना है तो प्रेम, स्नेह को अपना मजहब बनाओ,
हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई
एक–दूसरे को गले लगाओ।
भूख लगने पर ये मजहब कभी नजर नहीं आता,
प्रेम और स्नेह से बड़ा कोई मजहब नहीं कहलाता।

–अनुराधा बघेल
कक्षा–11 वाणिज्य

इन्सान का स्वभाव

लाश को हाथ लगता है तो नहाता पर
बेजुबान जीव को मारकर खाता है।
छोड़ देते हैं भोजन एक बाल हो,
तो फिर क्यों खाते हो जिसमें जिसमें एक माँ का लाल हो?

पत्थर सिर्फ एक बार मंदिर जाता है
और भगवान बन जाता है।
इन्सान हर रोज मंदिर जाता है,
फिर भी पत्थर बन जाता है।

जीवन में हम जगह जीत चाहते हैं
सिर्फ फूल वाले की दुकान ऐसी है
जहाँ हम कहते हैं कि हमें हार चाहिये
क्योंकि हम जानते हैं हम भगवान से जीत नहीं सकते।

जिन्दगी पल-पल ढलती है,
जैसे रेत मुट्ठी से फिसलती है,
गम कितने भी हो हर-पल फिर भी,
हँसते रहना क्योंकि यह जिन्दगी जैसी-भी
हो बस एक बार मिलती है।

– कु. शिवानी गोस्वामी
कक्षा–11 वाणिज्य

इन्सान

एक दिन इंसान ने कोयल को देखा और उससे कहा कि कोयल तुम कितना अच्छा गाती हो! अगर तुम काली न होती तो कितना अच्छा होता!

फिर एक दिन इन्सान ने समुद्र को देखा और उससे कहा कि तुम कितने विशाल हो! अगर तुम्हारा पानी खारा न होतो तो कितना अच्छा होता!

फिर एक दिन इन्सान ने गुलाब को देखा और उससे कहा कि गुलाब तुम कितने सुंदर हो! अगर तुम में काँटे ना होते तो कितना अच्छा होता!

फिर गुलाब, समुद्र और कोयल ने मिलकर इन्सान से कहा कि हे इन्सान तुम में दूसरों के दोष देखने का गुण न होता तो तू कितना अच्छा होता! तो तू कितना अच्छा होता!

कु. चंचल शर्मा, कक्षा–11 वाणिज्य

(क्रियाशील प्रगति परिषद द्वारा संचालित) रजि. नं. M.P.227/01/8/2003

नवांकुर संगीत-विद्यालय

(वर्ष 2003 से संचालित)

प्रयाग-संगीत-समिति इलाहाबाद से सम्बद्ध

विगत वर्षों की तरह अब शास्त्रीय संगीत के साथ
सुगम संगीत सीखने का स्वर्णिम अवसर

1 अप्रेल से .....

ग्रीष्मकालीन संगीत कक्षाएँ प्रारम्भ

समय - प्रातः 8 से 11 बजे तक

- 65 छात्र/छात्राएँ ``प्रभाकर'' उपाधि प्राप्त कर चुके हैं।
- 16 छात्र/छात्राओं ने ``बालरंग उत्सव'' में राज्य स्तर पर भागीदारी की।
- 300 से अधिक छात्र/छात्राएँ विभिन्न मंचों पर अपना कौशल दिखा चुके हैं।

अब आपके पाल्य / पाल्या भी सीखेंगे -

गायन

हारमोनियम वादन

तबला वादन

★ शीघ्रता करें - स्थान सीमित ★ दिनांक 1 अप्रेल से प्रवेश प्रारम्भ

प्रवेश हेतु सम्पर्क करें:

नवांकुर-मुख्य भवन, बरेठ रोड, गंज बासौदा,

सम्पर्क समय : प्रातः 8 से दोप. 12 बजे तक, फोन : 07594-221066 , **9753609971** (संगीत प्रभारी-रामकिशन राठौर)

visit at : www.navankurvidyapeeth.org, email : nvpbsd_2007@rediffmail.com

Kittu Printers-220205